MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 13 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-100

अध्यक्ष की छुट्टी!

अग्रवाल समाज : अविश्वास प्रस्ताव पास

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की वर्ष 2026-2027 के लिए मानद सचिव श्री विकास कुमार केशान द्वारा आहूत प्रथम वार्षिक आम सभा (एजीएम-1) ने अध्यक्ष श्री अनुरूद्ध गुप्ता के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव को भारी बहुमत से पारित कर दिया। साथ ही श्री गुप्ता द्वारा कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में श्री नरेंद्र गोयल की नियुक्ति को भी असंवैधानिक करार देकर खारिज कर दिया। समाज की इस सर्वोच्च ईकाई ने अपने दो टूक फैसले से स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान कार्यकारिणी (2025-2027) अपना कार्यकाल उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल के नेतृत्व में पूरा करेगी। साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में समाज पर थोपे गये निर्णय को सिरे से नामंजूर करती है।

सिकंदराबाद स्थित बांठिया गार्डन में आयोजित आम सभा में इन दो मुद्दों पर मतदान के लिए नियुक्त चैयरमेन डा. मोहन गुप्ता ने शुभ लाभ को बताया कि अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति को क्या आप असंवैधानिक मानते है? इस सवाल पर गुप्त मतदान के जरिये कुल 171 मतदाताओं ने अपनी राय हाँ /नहीं के रूप में रखी। इनमें से 165 ने हाँ को चुना, जबकि 5 ने नहीं और 1 ने कोई राय नहीं दी। युवा समितियों के लिए मतदान की अलग व्यवस्था थी, जिसमें 43 मतदाताओं ने हिस्सा लिया और 40 ने हाँ, 2 ने नहीं तथा 1 ने कोई राय नहीं दी। इसी प्रकार दूसरा सवाल यह था कि क्या आप अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करते हैं? इस पर 171 मतदाताओं ने अपना पक्ष रखा। 158 ने हाँ, 10 ने नहीं, जबकि 3 ने कोई राय व्यक्त नहीं की। 43 युवाओं में से 39 ने हाँ, 3 ने नहीं और 1 ने कोई राय नहीं दी। मतदान से पूर्व आम सभा ने ध्वनिमत और हाथ उठाकर भी उक्त दोनों प्रस्तावों को पारित किया। सभा में भारी संख्या (442) में उपस्थित सदस्यों में से केवल वैध मतदाताओं को ही इस गुप्त मतदान में मताधिकार के प्रयोग की अनुमति दी गयी थी।

सबसे महत्वपूर्ण एवं विशेष बात यह रही कि श्री अनिरुद्ध गुप्ता को उनकी मातृ शाखा आगापुरा ने 10-04-2026 को एक विशेष बैठक कर केंद्रीय समिति सदस्य (के. एस मेंबर) के रूप में उनसे अपना समर्थन वापस ले लिया। इसकी सूचना केंद्रीय कमेटी को लिखित में देते हुए शाखा पदाधिकारियों ने बताया कि वे किसी अन्य को चुनकर शीघ्र ही नाम प्रेषित करेंगे। ज्ञातव्य है कि श्री अनिरुद्ध गुप्ता इसी शाखा से केंद्रीय समिति में हैं और समाज के अध्यक्ष भी बने। इस समर्थन वापसी को उनके लिए एक बडा झटका माना जा रहा है। आगापुरा शाखा के आग्रह को स्वीकारते हुए तत्काल प्रभाव से श्री गुप्ता की केन्द्रीय समिति सदस्य के रूप में मान्यता को रद्द कर दिया गया। अब चूंकि वे केन्द्रीय समिति सदस्य ही नहीं रहे, तो संवैधानिक रूप से वे अध्यक्ष भी नहीं हैं।संविधान के अनुसार केवल वैध केन्द्रीय समिति सदस्य ही पदाधिकारी बनने के योग्य होता है।

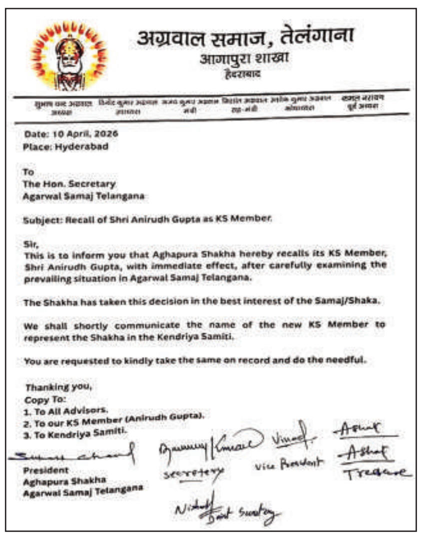

अग्रवाल समाज, तेलंगाना
आगापुरा शाखा
हैदराबाद

Date: 10 April, 2026
Place: Hyderabad

To
The Hon. Secretary
Agarwal Samaj Telangana

Subject: Recall of Shri Anirudh Gupta as KS Member.

Sir,
This is to inform you that Aghapura Shakha hereby recalls its KS Member, Shri Anirudh Gupta, with immediate effect, after carefully examining the prevailing situation in Agarwal Samaj Telangana.

The Shakha has taken this decision in the best interest of the Samaj/Shaka.

We shall shortly communicate the name of the new KS Member to represent the Shakha in the Kendriya Samiti.

You are requested to kindly take the same on record and do the needful.

Thanking you,
Copy To:
1. To All Advisors.
2. To our KS Member (Anirudh Gupta).
3. To Kendriya Samiti.

President
Aghapura Shakha
Agarwal Samaj Telangana

Secretary
Vice President
Treasure

▶8 पर

14 को बिहार भाजपा विधायकों की बैठक

'सम्राट' कौन?

पटना/नयी दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के बाद बिहार में अगले मुख्यमंत्री कौन? पटना से लेकर दिल्ली तक इन दिनों यह सवाल चर्चाओं के केंद्र में बना है। आने वाले कुछ दिनों में इस सवाल का जवाब साफ हो जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रविवार को बीजेपी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार में बीजेपी विधायक दल का नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। शिवराज सिंह चौहान 14 अप्रैल को पटना जाएंगे। उसी दिन पटना में बिहार भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें पर्यवेक्षक के रूप में शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित रहेंगे।

लेकिन इस पूरी कवायद में दिलचस्प बात यह है कि वर्तमान में सम्राट चौधरी बीजेपी विधायक दल के नेता हैं। वो राज्य के डिप्टी सीएम के साथ-साथ गृह मंत्री भी हैं।

कैबिनेट हैसियत के हिसाब से सम्राट के पास इस समय बिहार में नीतीश के बाद नंबर-2 की हैसियत है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि भाजपा ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए फिर से बैठक बुलाने का फ़ैसला क्यों किया है?

बिहार की राजनीति के जानकार इसके कई मायने निकाल रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि इस बैठक में किसी दूसरे को विधायक दल का नेता चुना जा सकता है। वहीं कई लोगों का यह भी कहना है कि सम्राट चौधरी को दोबारा विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

सीएम चुनने में अक्सर चौंकाती है भाजपा

फिलहाल इस पर कोई भविष्यवाणी करना बेहद मुश्किल है, क्योंकि सीएम चुनने के मामले में बीजेपी का पैटर्न अक्सर चौंकाने वाला ही रहा है। इससे पहले हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर, फिर नायब सिंह सैनी, उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, राजस्थान में भजनलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, ओडिशा में मोहन चरण मांझी, दिल्ली में रेखा गुप्ता का चयन चौंकाने वाला फैसला ही कहा जाता है।

अब बात बिहार की, सीएम के कई दावेदार हैं। बिहार में नीतीश कुमार के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कई दावेदार हैं। पहले तो सीएम पद को लेकर बीजेपी-जदयू के बीच कुछ खींचतान की चर्चा सामने आई थी। लेकिन अब यह साफ है कि सीएम बीजेपी का ही होगा। लेकिन कौन... यह यक्ष प्रश्न है। बीजेपी से सीएम के लिए दावेदारों की लिस्ट में एक दर्जन से अधिक नेताओं के नाम की चर्चा है।

इस बीच बीते एक-दो दिन में सम्राट चौधरी की दिनचर्या से भी सरगर्मी बढ़ी है। शनिवार को पटना में बीजेपी दफ्तर में आयोजित ज्योतिबा फुले जयंती में सम्राट चौधरी नजर नहीं आए। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री दिलीप जायसवाल, मंत्री रामकृपाल यादव, संजीव चौरसिया सहित कई अन्य नेता शामिल हुए। कार्यक्रम की मुख्य चर्चा यह रही कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इसमें मौजूद नहीं रहे, जिसे लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बिहार में शिवराज सिंह चौहान के पर्यवेक्षक बनाए जाने से भी कुछ इशारा हो रहा है।

▶8 पर

'सुरों की रानी' नहीं रही

आशा भोसले का अंतिम संस्कार आज, शोक की लहर

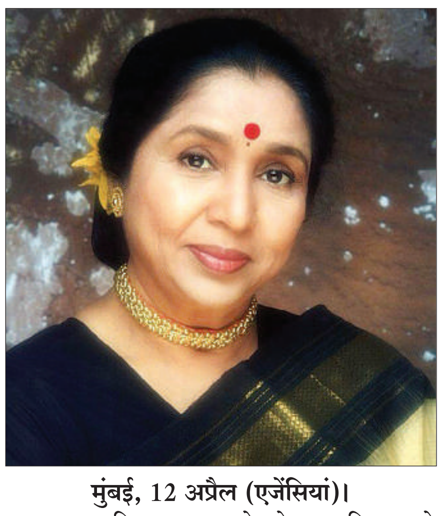

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मशहूर गायिका आशा भोसले का रविवार को यहां ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। उनकी उम्र 92 साल थी और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थता के कारण उन्हें यहां भर्ती कराया गया था। उनके निधन से भारतीय संगीत जगत में एक युग का अंत हो गया।

ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उनका निधन हो गया। उनके बेटे आनंद भोसले ने उनके निधन की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि श्रीमती भोसले का पार्थिव शरीर लोगों के दर्शनार्थ कल सुबह 11 बजे उनके आवास पर रखा जायेगा और अपराह्न चार बजे शिवाजी पार्क में उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा।

श्रीमती भोसले को शनिवार शाम छाती में संक्रमण और कमजोरी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पोती जनाई भोसले ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा था, मेरी दादी, आशा भोसले, बहुत कमजोरी और छाती में संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। हम आपसे उनकी निजता का सम्मान बनाए रखने की अपील करते हैं।

पद्म विभूषण और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती भोसले 50, 60 और 70 के दशक के बॉलीवुड के संगीत के सुनहरे दौर की आखिरी जीवित हस्ती थीं। इस दौर में लता मंगेशकर, मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, मुकेश, मन्ना डे और खुद भोसले जैसी हस्तियां शामिल थीं।

वह अपनी सुरीली आवाज़ और बहुमुखी प्रतिभा के लिए मशहूर थीं। उन्होंने फ़िल्मी संगीत, पॉप, ग़ज़ल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोकगीत, क़व्वाली और रवींद्र संगीत जैसे कई अलग-अलग तरह के संगीत में

▶8 पर

शांति वार्ता फेल, ट्रंप का नया खेल

ब्लॉकमेलिंग शुरू

वाशिंगटन डीसी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के बाद अब अमेरिका तेल की कीमत में आग लगाएगा। इस बात के संकेत रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रूथ सोशल पोस्ट से मिले हैं। ट्रंप का यह पोस्ट इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत के बाद का है।

करीब 21 घंटे तक चली यह बातचीत बेनतीजा रही। अब इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखे एक लंबे पोस्ट में इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बारे में काफी डिटेल से जानकारी दी। ट्रंप ने इस पोस्ट में ईरान को फिर से लताड़ लगाई। साथ ही होर्मुज के टोल टैक्स को लेकर पूरी दुनिया को एक बड़ी चेतावनी भी दी। वैश्विक तेल कारोबार के अहम समुद्री रास्ते होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नाकाबंदी से परेशान ट्रंप ने दुनिया को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान को टोल देने वाले देशों को रास्ता नहीं देंगे।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पोस्ट पर लिखे लंबे पोस्ट में होर्मुज नाकाबंदी पर लिखा- मैंने अपनी नेवी को यह निर्देश दिया है कि वे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद हर उस जहाज को ढूंढ़ें और रोकें, जिसने ईरान को कोई टोल दिया है। जो कोई भी गैर-कानूनी टोल देगा, उसे खुले समुद्र में सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। ट्रंप के कहे अनुसार यदि निकट भविष्य में ऐसा होने लगा तो यह सच है कि दुनिया में तेल-गैस की किल्लत का एक और नया दौर आएगा।

▶8 पर

ट्रंप जपे मुनीर माला!

तारीफ के पीछे चापलूसी हकीकत

वाशिंगटन डीसी, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता अभी तक बेनतीजा निकली। इस शांति वार्ता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान सामने आया है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने शांति वार्ता कराने वाले पाकिस्तान का भी जिक्र किया। खास बात यह थी कि ट्रंप ने प्रोटोकॉल को दरकिनार करते हुए

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 27^0

5 केजी सिलेंडर 13 लाख पार

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। खाड़ी देशों में बिगड़े माहौल के कारण गैस सप्लाई में आई बाधाओं के बीच भारत ने 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई बढ़ा दी है। सरकार ने इसके साथ ही पाइप से सप्लाई की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) कनेक्शन का विस्तार भी तेज कर दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 23 मार्च से अब तक 5 किलो वाले 13 लाख से ज्यादा एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं और इनकी दैनिक बिक्री भी 1 लाख से ज्यादा हो गई है। सरकार ने प्रवासी मजदूरों और कम आय वर्ग के उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए 5 किलो वाले एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई बढ़ाई है। इसी अवधि में 4.24 लाख से ज्यादा नए पीए-नजी कनेक्शन भी दिए गए हैं, जबकि 30,000 से ज्यादा उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर पीएनजी को अपनाया है। 6 हफ्तों से जारी पश्चिम एशिया संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

▶8 पर

चांद के पास से लौटा आर्टेमिस 2

नयी दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। नासा के आर्टेमिस2 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर सुरक्षित वापस आ गए हैं। उनका कैप्सूल यानी इंटीग्रिटी ने प्रशांत महासागर में दक्षिणी कैलिफोर्निया तट के पास समंदर में उतरा। यह मिशन 10 दिनों तक चला। इंसानों ने पिछले 50 सालों में पहली बार चंद्रमा के पास की यात्रा की है। इस यात्रा में उन्होंने कुल 11.16 लाख किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय की। यह मिशन नासा के बड़े प्लान का हिस्सा है, जिसमें भविष्य में चंद्रमा पर इंसानों को उतारना और फिर मंगल ग्रह की ओर बढ़ना शामिल है।

आर्टेमिस 2 नासा का पहला क्रूड टेस्ट फ्लाइट था, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। वे 1 अप्रैल को फ्लोरिडा के केप कैनवरल से एसएलएस रॉकेट से लॉन्च हुए थे। मिशन में उन्होंने पृथ्वी की दो कक्षाओं में घूमने के बाद चंद्रमा के बहुत करीब पहुंचकर उसकी परिक्रमा की। चंद्रमा के दूर वाले हिस्से यानी फार साइड के पास से गुजरते हुए वे पृथ्वी से सबसे ज्यादा दूरी पर पहुंचे। उनकी सबसे ज्यादा दूरी 406771 किलोमीटर थी, जो अपोलो 13 के पुराने रिकॉर्ड से ज्यादा थी।

इस मिशन ने आर्टेमिस प्रोग्राम को मजबूत किया। आर्टेमिस का लक्ष्य है कि 2028 तक चंद्रमा पर इंसान उतारें। वहां लंबे समय तक रहने की व्यवस्था बनाएं। यह चंद्रमा को मंगल ग्रह की यात्रा के लिए स्टेपिंग स्टोन बनाएगा। पिछले अपोलो मिशन के बाद 1972 में आखिरी बार इंसान चंद्रमा पर उतरे थे। अब आर्टेमिस 2 ने आधा सदी बाद इंसानों को चंद्रमा के आसपास ले जाकर इतिहास रचा है। इस मिशन में पहली बार एक महिला, एक ब्लैक एस्ट्रोनॉट और एक गैर-अमेरिकी नागरिक शामिल हुए।

ओरियन कैप्सूल पृथ्वी के वायुमंडल में घुसने के दौरान बहुत तेज गति से आ रहा था। री-एंट्री के समय यह लगभग 39 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा था।

▶8 पर

क्यातानापल्ली में लोकतंत्र की जीत : केटीआर

मंचेरियाल, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि क्यातानापल्ली नगरपालिका के लिए मंत्री विवेक ने कितनी भी बाधाएँ खड़ी कीं, लेकिन बीआरएस पार्षदों ने हार नहीं मानी। केटीआर के अनुसार पार्षदों ने साहस के साथ अधिकारियों की शक्ति का सामना कर लोकतंत्र को विजयी बनाया। उन्होंने कहा कि क्यातानापल्ली नगरपालिका में जनता ने बीआरएस के पक्ष में फैसला सुनाया, फिर भी मंत्री विवेक द्वारा पार्षदों को डराकर-धमकाने का आरोप है। केटीआर ने यह भी कहा कि पुलिस रोकी गई और झूठे मामले दर्ज किए गए तथा बल्का सुमन को जेल भेजने का दावा किया गया। केटीआर ने पार्टी बैठक में यह बात कही कि 51 दिनों तक कठिन परिस्थितियों में बीआरएस पार्षद डटे रहे, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया सफल रही। उन्होंने बल्का सुमन के खिलाफ अवैध मामलों के आरोप लगाते हुए सरकार पर जनता के फैसले को कुचलने की कोशिश का आरोप लगाया। साथ ही केटीआर ने रेवंत रेड्डी और उनके बहनोई पर सिंगरेनी की करोड़ों की संपत्ति लूटने और प्रमाण/साइट विजिट के नाम पर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनौती देते हुए एसआईटी/एसीबी जांच की मांग की और भाजपा-कांग्रेस दोनों पर भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप लगाए।

केटीआर का आरोप: सिंगरेनी में भ्रष्टाचार चरम पर, चिकित्सा बोर्ड नहीं तो आंदोलन

मंचेरियाल, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने सिंगरेनी में भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। मंचेरियाल जिले के बीआरएस भवन में आयोजित कार्यक्रम में केटीआर ने कहा कि सिंगरेनी में भ्रष्टाचार चरम पर है और वहां श्रमिकों के साथ अन्याय हो रहा है। केटीआर ने आरोप लगाया कि बीआरएस कार्यकाल में 16 हजार लोगों को आश्रितों के लिए नौकरियां दी गई थीं, लेकिन अब कांग्रेस सरकार मेडिकल बोर्ड का प्रबंधन सही ढंग से नहीं कर रही। उन्होंने चेतावनी दी कि सिंगरेनी में एक चिकित्सा बोर्ड का गठन नहीं किया गया तो बीआरएस सिंगरेनी मुख्यालय को घेरने के साथ आंदोलन तेज करेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को चुनौती देते हुए कहा कि सिंगरेनी भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी या एसीबी कराई जाए। केटीआर ने कहा कि एसीबी जांच से डरने की जरूरत नहीं है और तंज कसते हुए सवाल किया कि जो काम भ्रष्टाचार से जुड़ा है, उसकी जांच होनी चाहिए।

केटीआर ने यह भी कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों को जिताने के बाद उनके भाई अब समस्याओं का समाधान कराने की बात कर रहे हैं, लेकिन लोगों से अपील की कि वे फिलहाल समस्याओं के समाधान के लिए स्थानीय कांग्रेस विधायकों व मंत्रियों से बात करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस उनके संघर्ष में साथ देगी।

इस कार्यक्रम में बीआरएस के जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक बल्का सुमन, विधायक कोवा लक्ष्मी, अनिल जाधव, पूर्व विधायक नादेल्ली दिवाकर राव, राज्य नेता विजय राव, पूर्व टीएस अध्यक्ष चिलुमुला राकेश, जॉनसन नायक, बोडा सतीश सहित अन्य उपस्थित रहे।

त्योहारों के समय व्यवसाय प्रभावित होने से व्यापारियों में असंतोष

मंचेरियाल, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम (एमएमसी) के अधिकारियों द्वारा शहर की प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण के कार्य पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों ने असंतोष जताया है। उनका कहना है कि इससे त्योहारों के समय उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है।

बताया गया कि बेलमपल्ली चौरास्ता, मंचेरियाल रेलवे स्टेशन, आईबी चौक-श्रीनिवास गार्डन, रेलवे स्टेशन से कॉलेज रोड पर फ्लाईओवर तक, विश्वनाथ मंदिर से वेंकटेश्वर थिएटर, भाष्यम स्कूल-पुलिस स्टेशन सहित कई अन्य मार्गों को यातायात जाम से राहत देने के लिए चौड़ा किया जा रहा है। इस विकास परियोजना की अनुमानित लागत 78 करोड़ रुपये बताई गई है।

व्यापारियों का आरोप है कि चौड़ीकरण के तहत प्रतिष्ठानों के सामने का कुछ हिस्सा, प्रवेश द्वार व चौखट हटाए जा रहे हैं, जिससे नुकसान और आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। वे यह भी कहते हैं कि कई जगह काम शादियों के मौसम तथा दशहरा-दिवाली के दौरान शुरू हो गया, जिसके बाद आपत्तियों के कारण काम रोक दिया गया था, लेकिन हाल में फिर शुरू होने से स्थिति और बिगड़ गई।

स्थानीय विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव ने एक ध्वस्त व्यावसायिक परिसर का निरीक्षण कर त्योहारों के समय काम कराने को लेकर कड़ी आलोचना की। वहीं एक अन्य पक्ष से दिवाकर राव ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभावित प्रतिष्ठान मालिकों को निशाना बनाया जा रहा है और उन्होंने बड़ी किराया व्यवस्था के बावजूद मालिकों पर दबाव पड़ने की बात कही।

व्यापारियों ने अधिकारियों से मानसून तक काम स्थगित करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि कपड़ा, खाद्य, आतिथ्य, चिकित्सा, बर्तन आदि कई क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों से मंदी के कारण पहले से संकट बना हुआ है।

डीजीपी का मंचेरियाल दौरा : नये पुलिस थाने का उद्घाटन

बेल्लमपल्ली, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के पुलिस डायरेक्टर जनरल बी. शिवधर रेड्डी ने शुक्रवार को रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के तहत मंचेरियाल जिले का दौरा किया।

बताया गया कि डीजीपी के साथ मंचेरियाल कलेक्टर कुमार दीपक, बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद, मल्टीज़ोन-आईजी चंद्रशेखर रेड्डी और रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा कन्नेपल्ली पहुंचे। यहां मंचेरियाल डीसीपी ए. भास्कर तथा बेल्लमपल्ली एसीपी किरण कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और पूर्णकुंभ के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। इसके बाद पुलिस की ओर से सलामी दी गई। कन्नेपल्ली में पुलिस थाने के लिए बनी नई बिल्डिंग का उद्घाटन डीजीपी ने डीजीपी, विधायक, कलेक्टर, पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया। कार्यक्रम में एसआई भास्कर राव को नए थाने में कुर्सी पर बैठाया गया और डीजीपी, आईजी, विधायक, कलेक्टर व पुलिस आयुक्त झा ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर डीजीपी ने बताया कि यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट बिल्डिंग लोगों को बेहतर सेवा देने तथा लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के उद्देश्य से बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पब्लिक सेफ्टी में टेक्नोलॉजी का उपयोग कर सुरक्षा को और मजबूत किया जाएगा। अंत में, पुलिस अधिकारियों के साथ थाने परिसर में पौधे लगाए गए।

विजयरामन राव ने इंदिराम्मा घरों का किया उद्घाटन, कल्याण योजनाओं की दी जानकारी

पेद्दापल्ली, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बुराहनमियापेट गांव (एलीगेडु मंडल) में पब्लिक गवर्नेंस और प्रोग्रेस प्लानिंग के 99-दिन कार्यक्रम के तहत, गुज्जुला रावली-विजेंद्र रेड्डी, बोंगोनी रामा संपत, गुज्जुला लावण्या-प्रशांत रेड्डी ने नए इंदिराम्मा घर का गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया। तेलंगाना सरकार के व्हिप पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरामन राव ने इंदिराम्मा इंडला का उद्घाटन किया। लाभार्थियों और ग्रामीणों ने उनका सम्मान किया।इसके बाद विधायक ने ग्राम सभा को संबोधित किया और नरसापुर गांव में एक अन्य इंदिराम्मा घर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इठड सरकार ने गरीबों को 10 वर्षों तक धोखा दिया, जबकि कांग्रेस सरकार हर लाभार्थी को 5 लाख रुपये की सहायता दे रही है। पहले फेज के घर निर्माण अंतिम चरण में हैं, दूसरे फेज में सभी पात्रों को घर मिलेंगे।विधायक ने रायथु भरोसा, सफेद राशन कार्ड धारकों के लिए इंश्योरेंस (2 जून लॉन्च), फ्री बस यात्रा, 500 रुपये गैस सिलेंडर, 200 यूनिट फ्री बिजली, कल्याणलक्ष्मी, इंटर छात्रों के लिए इंश्योरेंस-ब्रेकफास्ट-मिड-डे मील, दिव्यांगों के लिए मोटराइज्ड वाहन जैसी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने किसानों को तेल फसल और फसल चक्रण की सलाह दी।कार्यक्रम में सरपंच, उपसरपंच, वार्ड सदस्य, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंत्रियों के आने-जाने से भी नहीं सुधरी सड़के

आसिफाबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में जैनूर से उट्नूर तक की ज़िला सड़क बदहाल है, जिससे आवागमन मुश्किल हो गया है। वामपंथी दलों ने सड़क की जर्जर हालत पर नाराज़गी जताते हुए तुरंत मरम्मत की मांग की है।

सी.पी.एम. ज़िला सचिवालय सदस्य दुर्गम दिनकर ने बताया कि जैनूर मंडल से उट्नूर एक्स रोड तक का मार्ग गड्ढों से भरा होने के कारण यह खतरनाक बन चुका है। उनके अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है और वाहनों के साथ-साथ लोगों की जान भी जोखिम में है।दिनकर ने कहा कि आपात स्थिति में एम्बुलेंस का रास्ता भी चुनौतीपूर्ण है। जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के नियमित आने-जाने के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं कराए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। इस कार्यक्रम में सी.पी.आई (एम.एल) ज़िला सचिव गोगर्ला तिरुपति, सी.पी.आई ज़िला सहायक सचिव आत्मकुरी चिरंजीवी, अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गायत्री कॉलेज के छात्रों का इंटरमीडिएट में राज्य स्तरीय प्रदर्शन

पेद्दापल्ली, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली स्थित गायत्री जूनियर कॉलेज के छात्रों ने तेलंगाना सरकार द्वारा घोषित इंटरमीडिएट प्रथम व द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणामों में राज्य स्तरीय अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

एमपीसी द्वितीय वर्ष: जय हरीश 990, अनुश्री 987, बी श्रीहरशिनी 980, टी वर्षित 958, डी अरुण तेजा 872 अंक।

बीवाईपीसी द्वितीय वर्ष: सनम मेहवीन 987, राणा सिफा 966, वामसिका 951 अंक। सीईसी श्रेणी: वी लक्ष्मी प्रिया 943 अंक।

प्रथम वर्ष (राज्य स्तरीय प्रदर्शन): सीईसी श्रेणी: जी वर्षित 500 में से 444, साई चरण 451 अंक। बीवाईपीसी श्रेणी: के श्री वैष्णवी 440 में से 429 अंक एमपीसी श्रेणी: सादिया 410 अंक।

इस अवसर पर राज्य स्तरीय अंक प्राप्त करने वाले द्वितीय वर्ष के छात्र जक्कम हरीश (एमपीसी) व सना महवीन (बीपीसी) ने अपने विचार साझा किए। गायत्री कॉलेज के अध्यक्ष श्री अल्लांकी श्रीनिवास ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई दी तथा आगे उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

कोयला खनिक की बेटी का इंटर के द्वितीय वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मंचेरियाल, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीरामपुर के आरके-5 भूमिगत खदान में कार्यरत कोयला खनिक चंद्रमौली की बेटी रेनका वैष्णवी ने तेलंगाना इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की परीक्षा में 1,000 में से 995 अंक हासिल कर राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

बताया गया कि वैष्णवी ने मंचेरियाल के कार्मेल कॉन्वेंट हाई स्कूल से कक्षा 10वीं की पढ़ाई की और 10/10 अंक प्राप्त किए।

इसके बाद उन्होंने अल्फोरेस जूनियर कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

रेनका वैष्णवी का लक्ष्य मेडिकल की पढ़ाई कर नीट के जरिए डॉक्टर बनना है। उनके माता-पिता और जिले में खुशी का माहौल है और सहकर्मियों व दोस्तों ने उन्हें बधाई दी।

मदनूर के दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का विकास और आय-व्यय चर्चा में

मदनूर, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सलबतपुर गांव में स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर को स्थानीय भक्त करीब 400 वर्ष पुराना बताते हैं। भक्तों का कहना है कि यहां मन्नत मांगने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं, लेकिन मंदिर परिसर में पिछले कई वर्षों से विकास कार्य ठीक ढंग से नहीं हो पाए हैं।

मीडिया से बातचीत में बताया गया कि पूर्व में मंदिर विकास हेतु 6.70 करोड़ रुपये की राशि मंजूर हुई थी, लेकिन ठेकेदार को समय पर बिल न मिलने से काम अधूरा रह गया और लगभग 5 वर्षों से विकास कार्य पेंडिंग बताए जा रहे हैं। हर रोज बड़ी संख्या में भक्तों के आने के बावजूद विकास कार्य नजर न आने का सवाल उठाया गया।

वहीं मंदिर अधिकारियों के अनुसार 2025-26 में मंदिर की आय 45 लाख रुपये है। इस आय में से प्रमुख खर्चसीजीएफ, एडिट फीस, अर्चक सेवा और मंदिर कर्मचारियों का वेतनआदि के रूप में किया जाता है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि हर वर्ष राम नवमी से हनुमान जयंती तक अखंड हरिनाम सप्ताह व हनुमान जयंती पर महाप्रसाद तथा हर सप्ताह पालकी सेवा का खर्च होता है, तथा शेष राशि से मरम्मत कार्य कराए जा रहे हैं।

इंटर परीक्षा में प्रथम पांडेय का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बेल्लमपल्ली, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर जूनियर कॉलेज (सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी) शाकेपेट में पढ़ने वाले प्रथम पांडेय ने रविवार को तेलंगाना इंटरमीडिएट बोर्ड द्वारा जारी इंटर के नतीजों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 1000/983 अंक हासिल किए।

प्रथम पांडेय केजी से लेकर 10वीं कक्षा तक अपने विद्यालय में टॉपर रहे और 10वीं कक्षा में 10/10 जीपीए प्राप्त किया। इंटर के प्रथम वर्ष में उन्होंने 470/465 अंक हासिल किए। पढ़ाई में लगातार बेहतर प्रदर्शन के लिए स्नेही, परिजन/बंधु और अध्यापकों ने उन्हें प्रशंसा कर अभिनंदन किया।

कांग्रेस सरकार मजदूरों के श्रम का शोषण कर रही है : रघुनाथ वेराबेल्ली

मंचेरियाल, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनाथ वेराबेल्ली ने पिछले पांच दिनों से हड़ताल पर बैठे विद्युत कारीगरों के समर्थन में एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने राज्य सरकार से विद्युत कारीगरों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की।इस अवसर पर रघुनाथ ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पहले बीआरएस सरकार भी विद्युत कारीगरों सहित मानवरहित और दिहाड़ी मजदूरों की समस्याओं को नजरअंदाज करती रही है, जबकि अब कांग्रेस सरकार ने उन्हें नई परेशानियों का सामना कराने पर मजबूर कर दिया है।उन्होंने मांग की कि विद्युत कारीगरों और बिल संग्रहकर्ताओं के स्थायी आदेश रद्द किए जाएं और एपीएसईबी के नियम लागू किए जाएं। साथ ही, सरकारी आदेश 11 के अनुसार प्रति पीस रेट पर काम करने वाले श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी कानून लागू करने की भी मांग की गई। रघुनाथ ने कहा कि जब तक उनकी जायज मांगें पूरी नहीं होतीं, वे विद्युत कारीगरों के साथ खड़े रहेंगे।इस कार्यक्रम में नगरसेवक कस्तूरी नागराजू, कमलाकर राव, कुर्रे चक्रवर्ती, जयरामा राव, मुदाम मल्लेश, नागुला राजन्ना सहित अन्य ने भाग लिया।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाई गई

आसिफाबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित समेकित जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभागार में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती समारोह आयोजित की गई। जिला पंचायत अधिकारी बिक्षपति ने कहा कि महात्मा फुले दलित, पिछड़े और कमजोर वर्गों के लिए आशा की ज्योति हैं।

कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी वेंकटेश, जिला पुस्तकालय संस्थान अध्यक्ष कामडे अनिल, आसिफाबाद नगरपालिका अध्यक्ष मेन्रे आकाश, आसिफाबाद मार्केट समिति अध्यक्ष इरुकुला मंग, डी.सी.सी. प्रतिनिधि आत्रम सुगुणा सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।जिला पंचायत अधिकारी ने बताया कि फुले ने महिलाओं की शिक्षा, कमजोर वर्गों के उत्थान, जातिगत भेदभाव के खिलाफ संघर्ष और सामाजिक सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना को उनके महान कार्यों का प्रतीक बताया। साथ ही कहा कि फुले केवल समाज सुधारक नहीं, बल्कि महान चिंतक और शिक्षाविद भी थे; उनके आदर्शों को अपनाना प्रत्येक की जिम्मेदारी है।समारोह में विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठन और जाति समुदायों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

हिंदू धर्म रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान

चेन्नूर, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेन्नूर के जगन्नाथ मंदिर परिसर में रविवार को आयोजित हिंदू सम्मेलन में महादेव गुरु पीठम (गुडिमेट) के श्रीश्रीश्री महादेव स्वामीजी ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए हर हिंदू को आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व मानव कल्याण का मार्ग है, धर्म-मत में अंतर समझें, अपनी संस्कृति को जीवन में अपनाएं। महिलाओं से परिवार में सकारात्मक बदलाव लाने की अपील की।

आरएसएस सह-प्रांत प्रचारक प्रभु कुमार ने हिंदू एकता, देशभक्ति व सेवा पर जोर दिया। महिला वक्ता भाग्यलक्ष्मी ने 'पंच परिवर्तन' से पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की बात कही।

कार्यक्रम में छात्रों के सांस्कृतिक नृत्य, नाटक व सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ हुआ। विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

14 को सूर्य करेंगे अपनी उच्च राशि मेष में गोचर

सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना संक्रांति कहलाता है। वर्तमान समय में सूर्य मीन राशि में हैं। सूर्य के धनु और मीन राशि में रहने पर खरमास लगता है। इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। अतः शादी-विवाह समेत सभी मांगलिक कार्य नहीं किए जा रहे हैं। 14 अप्रैल को सूर्य मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। उस दिन से शुभ कार्य किए जा सकते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 14 अप्रैल को ग्रहों के राजा सूर्य मेष राशि में गोचर करेंगे। सूर्य आत्मा का कारक माना जाता है। सूर्य के मजबूत रहने से करियर और कारोबार में मन मुताबिक सफलता मिलती है। व्यक्ति ऊंचा मुकाम हासिल करने में कामयाब होता है। इसके लिए ज्योतिष लोगों को सूर्य मजबूत करने की सलाह देते हैं। सूर्य को मजबूत करने के लिए रोजाना सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। साथ ही सूर्य चालीसा का पाठ करें। इसके अलावा, पिताजी के साथ संबंध मधुर रखना चाहिए। पिता के आशीर्वाद से जातक अपने जीवन में खूब तरक्की और उन्नति करता है।

ग्रहों के राजा कहे जाने वाले सूर्य देव 14 अप्रैल को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। मेष राशि में सूर्य उच्च का फल देते हैं। ज्योतिष में सूर्य को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। सूर्य को आत्मा और पिता का कारक भी कहा गया है। सूर्य शुभ होने पर व्यक्ति को उच्च पद की प्राप्ति होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य को सिंह राशि का स्वामी माना गया है। मेष इसमें उच्च माना जाता है। वहीं सूर्य तुला राशि में नीच का हो जाता है।

मीन से निकलेंगे सूर्य

सूर्य 14 अप्रैल को मेष राशि में प्रवेश करेंगे। जहां पर ये इस राशि में 14 मई तक रहेंगे। मेष राशि सूर्यदेव की उच्च की राशि होते हैं और इस राशि के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कोई भी ग्रह जब अपनी उच्च राशि में रहता है तब इसका शुभ फल जातकों के जीवन पर पड़ता है। सूर्य के उच्च की राशि में गोचर करने से कई राशि के लोगों को फायदा मिलने के संकेत हैं।

शुरू होंगे मांगलिक कार्य

सूर्य देव के मीन राशि में गोचर से मीन मलमास प्रारंभ हो जाता है । जिसकी वजह एक माह तक यानी सूर्य के मीन राशि में रहते विवाह आदि मंगल कार्यों पर रोक लग जाती है। सूर्य के मीन से निकलकर मेष राशि में गोचर के साथ मीन मलमास समाप्त हो जायेगा और इसकी वजह से रुके हुए मांगलिक कार्यक्रम, विवाह आदि फिर से शुरू हो जाएंगे।

देश-दुनिया पर असर

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सूर्य का मेष राशि में प्रवेश करने से राशियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशि – सरकार और राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा होने की उम्मीद है। वैवाहिक जीवन में थोड़ा तनाव दिखाई पड़ रहा है इसलिए पत्नी के साथ किसी भी प्रकार के वाद विवाद को जन्म नहीं दे।

वृष राशि – मानसिक तनाव और परिवार की ओर से कष्ट संभव है। इस गोचर के दौरान आपके खर्च में वृद्धि होगी और विदेश यात्राओं से कोई ख़ास लाभ नहीं होगा। इस समय आपके अपनी मां के साथ रिश्तें बिगड़ सकते हैं।

मिथुन राशि – आपको राजनीति में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। उच्च के सूर्य के कारण सरकारी काम से जुड़े जातकों को भी लाभ होता हुआ दिखाई दे रहा है। परिवार के साथ यात्रा का योग दिखाई दे रहा है।

कर्क राशि – कार्यस्थल पर उच्च पद देने का काम करने वाली है। किसी काम के सिलसिले में यात्रा भी करेंगे। इस समय आपके घर में किसी मांगलिक आयोजन का मौका भी बन सकता है।

सिंह राशि – धार्मिक यात्रा पर जाने का मौका मिलने वाला है। पिता के साथ आपके मतभेद सामने आ सकते हैं वहीं उनकी सेहत का भी ध्यान रखना होगा। कई समय से अटका हुआ निवेश इस समय पूरा हो सकता है।

कन्या राशि – इस समय आपको चोट लगने की आशंका है वही किसी बीमारी का भी आगाज़ जीवन में हो सकता है। इस समय किसी को धन उधार नहीं दे वरना आपका पैसा अटक सकता है।

तुला राशि – आप अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और आलस्य को त्याग दें। सरकार से जुड़कर आप कोई अच्छा काम शुरू कर सकते हैं। इस समय किसी मित्र के साथ कोई काम शुरू करना चाह रहे है तो उसे टाल दें।

वृश्चिक राशि – आपके सभी शत्रुओं का नाश होगा। इस समय आप अपने कार्यस्थल पर लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे। आपके जीवन में इस समय विदेश यात्रा और धन लाभ के योग दिखाई दे रहे हैं।

धनु राशि – प्रेम और शिक्षा का विचार होता है। इस समय छात्र वर्ग को पढ़ाई में समस्या आ सकती है। प्रेम प्रसंग असफल हो सकते हैं। इस समय आपको सलाह दी जाती है कि अपने प्रेमी को धोखा न दें।

मकर राशि – आपके लिए समय बेहद कठिन होने वाला है। आपके खिलाफ शत्रु साजिश करेंगे। इस समय आप किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक डील न करें तो अच्छा होगा। इस दौरान आपके खर्चों में वृद्धि होगी।

कुंभ राशि – आपके साहस में वृद्धि होगी और आपकी यात्राओं से आपको फायदा होगा। इस समय धार्मिक यात्राओं के योग भी बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए समय शुभ है।

मीन राशि – आपकी वाणी थोड़ी कठोर हो सकती है। इस समय आपको वाहन चलाते समय भी सावधानी रखनी है। ससुराल पक्ष से कोई भी आर्थिक लेनदेन नहीं करने की सलाह आपको दी जाती है।

19 को मनाई जाएगी परशुराम जयंती जानें महत्व और पूजा विधि

परशुराम जयंती भगवान विष्णु के छठे अवतार को समर्पित है। इस दिन परशुराम भगवान की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन परशुरामजी के भक्त उनकी पूजा करते हैं और व्रत भी रखते हैं। भगवान परशुरामजी से सुख समृद्धि की कामना भी करते हैं। वैसे तो परशुराम जी का जन्म ब्राह्मण कुल में हुआ था। लेकिन, धर्म की रक्षा करने के लिए उन्होंने शस्त्र उठाएं थे, इसलिए धर्म से ब्राह्मण और कर्म से क्षत्रिय भी माने जाते हैं और इस संदर्भ में इनके जन्म की एक रोचक कथा भी है।

परशुराम जयंती वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है इसी दिन अक्षय तृतीया भी मनाने की परंपरा रही है। पंचांग की गणना के अनुसार, 19 अप्रैल रविवार के दिन सुबह में 10 बजकर 50 मिनट पर तृतीया तिथि का आरंभ होगा और 20 अप्रैल को सोमवार के दिन सुबह में 7 बजकर 28 मिनट पर तृतीया तिथि समाप्त हो जाएगी। 19 अप्रैल को तृतीया तिथि सुबह, दोपहर और शाम तीनों समय व्याप्त हो रही है। ऐसे में अक्षय तृतीया तिथि 19 तारीख को तीनों समय रहने के कारण परशुराम जयंती का पर्व 19 अप्रैल को ही मनाया जाएगा।

वैसे शास्त्रों का मत है कि, भगवान परशुरामजी का जन्म वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि में प्रदोष काल में हुआ था। इसलिए जिस दिन प्रदोष काल में वैशाख शुक्ल तृतीया तिथि व्याप्त हो उसी दिन परशुराम जंयती मानई जानी चाहिए। – वैशाख सिते पक्षे तृतीयां पुनर्वसौ। निशायाः प्रथमयामे समाख्याः समये हरिः।। इसी नियम के अनुसार इस साल 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन ही परशुराम जयंती मानाने का विधान बन रहा है।

परशुराम जयंती पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर पूजा करने का संकल्प लें।

इसके बाद घर या मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा या चित्र को स्थापित करें।

इसके बाद सबसे पहले परशुराम जी को तिलक लगाएं।

अब अक्षत, फूल, और तुलसी अर्पित करें।

अब परशुराम जी के मंत्रों का जप करें या भगवान विष्णु की स्तुति करें।

अंत में परशुराम भगवान की आरती करें।

इस दिन अक्षय तृतीया भी है तो जरुरतमंद लोगों को दान पुण्य भी करें तो आपको अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी।

भगवान परशुराम को परशु किसने दिया था ?

परशुराम जी ऋषि जमगग्नि के पुत्र हैं। उनके पुत्र होने के कारण ही उनका नाम जामदग्न्य भी है। वह भगवान शिव के शिष्य और उनके परम भक्त भी थे। परशुराम जी की योग्यता और भक्ति से प्रसन्न होकर ही भगवान शिव ने उन्हें विद्युदभि नाम का परशु दिया था। वह हमेशा ही अपने साथ परशु को रखा करते थे। इसलिए उनका नाम परशुराम के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

वास्तु अनुसार लिविंग रूम में किन तस्वीरों को लगाने से बढ़ती है पॉजिटिविटी

वास्तुशास्त्र में लिविंग रूम में कुछ तस्वीरों को लगाना बहुत शुभ माना जाता है। अगर घर में छोटी-छोटी बातों पर बहस होती हो, माहौल अशांत हो या तनाव बना रहता हो तो इसके लिए वास्तु में सरल उपाय बताए गए हैं। मान्यता है कि लिविंग रूम में पहाड़, झरना सहित कुछ तस्वीरों को लगाने से आसपास का माहौल पॉजिटिव होने लगता है और इन्हें देखकर प्रसन्नता व शांति महसूस होती है। ऐसे में अपने लिविंग रूम की सजावट करते समय वास्तु के अनुसार कुछ तस्वीरें जरूर लगानी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सात घोड़ों की तस्वीर

आप अपने लिविंग रूम की दीवार पर भागते हुए सात सफेद घोड़ों की तस्वीर या पेंटिंग लगा सकते हैं। मान्यता है कि ये तस्वीर प्रगति, तरक्की और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। ऐसे में इसे घर में लगाने से गुड लक आ सकता है। इसे उत्तर दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पूर्व दिशा में भी सात घोड़ों की तस्वीर लगा सकते हैं। तस्वीर के बैकग्राउंड में समुद्र और शांति दिखाने वाला मौसम होना चाहिए। इस प्रकार की तस्वीर को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती और आसपास का माहौल भी पॉजिटिव बना रहता है।

रंग बिरंगे फूलों या प्राकृतिक दृश्य की तस्वीर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में प्राकृतिक दृश्य की तस्वीर लगाना भी शुभ होता है। इसमें सूर्योदय, पहाड़, नदी आदि की पेंटिंग लगाना अच्छा माना जाता है। ऐसी तस्वीरें मनमोहक होती हैं जिन्हें देखकर मन भी प्रसन्न रहता है और इसका सकारात्मक प्रभाव परिवार के सदस्यों पर पड़ता है। इसके अलावा, आप रंग-बिरंगे फूलों की तस्वीर भी लिविंग रूम में लगा सकते हैं। मान्यता है कि ऐसी तस्वीरों को लगाने से उत्साह में वृद्धि होती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ऐसी पेंटिंग मन को शांत करती है। साथ ही, आसपास का माहौल भी अच्छा बनाए रखने में सहायक हो सकती है।

पानी में तैरती मछलियों की तस्वीर

अपने घर के लिविंग रूम में आप तैरती हुई मछलियों की तस्वीर भी लगा सकते हैं। इसे घर में लगाना बेहद शुभ माना जाता है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, फिश पेंटिंग को उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पूर्व दिशा में भी यह तस्वीर लगा सकते हैं। मान्यता है कि तैरती हुई मछलियां जीवंतता का सूचक होती हैं। ऐसे में इसे घर में लगाना लाभदायी माना जाता है। इससे घर में पॉजिटिविटी आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है।

झरने या समुद्र की तस्वीर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए लिविंग रूम में झरने, समुद्र, बहते पानी आदि तस्वीरें लगाना बहुत अच्छा होता है। शांति से बहते पानी की तस्वीर को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में घर का माहौल खुशनुमा और पॉजिटिव बनाए रखने के लिए इन पेंटिंग को लिविंग रूम में लगा सकते हैं। इससे मन शांत करने में मदद मिलती है और घर से नेगेटिविटी भी दूर रह सकती है। हालांकि, इन तस्वीरों को सही दिशा और स्थान पर लगाना भी आवश्यक होता है। साथ ही, कोई भी तस्वीर लिविंग रूम में लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

लिविंग रूम में पेंटिंग लगाते समय ध्यान रखें ये बातें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में कुछ तस्वीरों को लगाना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन साथ ही, कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना भी आवश्यक होता है। लिविंग रूम में कभी भी ऐसी तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए जो क्रोध, युद्ध, शोक आदि से संबंधित हों। इसका प्रतिकूल प्रभाव के घर के माहौल पर पड़ सकता है। ऐसे में हमेशा लिविंग रूम में ऐसी तस्वीर लगाएं जो प्रसन्नता, शांति, खुशहाली आदि को दिखाती हों और उन्हें देखकर मन प्रसन्नता महसूस करें।

घर के मंदिर में टूटे-फूटे बर्तन, दो शंख सहित न रखें ये सामान, जानें क्या कहता है वास्तुशास्त्र

ज्योतिष और वास्तुशास्त्र में घर का सबसे पवित्र स्थान मंदिर को माना गया है। अपने घर में सुख-शांति और सकारात्मकता बनाए रखने के लिए मनुष्य सुबह-शाम नियमित पूजा करता है और देवी-देवताओं की आराधना करता है। इसका प्रभाव परिवार के सदस्यों के जीवन पर भी पड़ता है। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर के मंदिर में कुछ चीजों को रखना वर्जित माना गया है। खंडित मूर्तियां, दो शंख सहित कुछ चीजें पूजा घर में रखने से इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है। साथ ही, अनजाने में हुई गलतियों के चलते पूजा का पूर्ण फल नहीं मिल पाता है।

पूजा घर में न रखें अत्यधिक बड़ी मूर्तियां

वास्तुशास्त्र में घर के मंदिर को लेकर कई नियम व टिप्स बताए गए हैं। मान्यता है कि कभी भी पूजा घर में अत्यधिक बड़ी मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। मंदिर में 3 से 6 इंच की मूर्तियां रखी जा सकती हैं। कहा जाता है कि ऐसा करने से आसपास ऊर्जा का एक समान प्रवाह बना रहता है। वहीं, अत्यधिक बड़ी भगवान की मूर्तियां पूजा घर में स्थापित करने से इसका प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है। बड़ी मूर्तियां मंदिर में स्थापित की जाती हैं वहीं, घर के मंदिर में 3 से 6 इंच की मूर्ति रखनी चाहिए।

मंदिर में न रखें दो शंख

अगर आपने घर के मंदिर में दो शंख रखे हैं, तो उसे वहां से हटा देना चाहिए। मान्यता है कि गलती से भी पूजा घर में दो शंख नहीं रखने चाहिए। कहा जाता है कि घर में दो शंख रखने से इसका नकारात्मक प्रभाव आसपास की ऊर्जा पर और परिवार के सदस्यों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। इसलिए हमेशा घर के मंदिर में एक ही शंख रखना चाहिए। साथ ही, कभी भी शंख से शिवलिंग का अभिषेक नहीं करना चाहिए।

भगवान गणेश की तीन प्रतिमा न रखें

कई लोग मंदिर में एक ही भगवान की दो-दो प्रतिमाएं रखते हैं। शास्त्रों में ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि किसी भी देवी-देवता की फोटो या मूर्ति घर के मंदिर में दो नहीं रखनी चाहिए। विशेषतौर पर भगवान गणेश की मूर्ति या प्रतिमा की संख्या पूरे घर में तीन नहीं होनी चाहिए। ऐसा करना वर्जित माना जाता है। मान्यता है कि इससे शुभ कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के जीवन पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

मंदिर में टूटे-फूटे बर्तन न रखें

अगर आपके घर के मंदिर में किसी भी प्रकार के टूटी-फूटी थाली, कटोरी, गिलास आदि बर्तन रखे हैं, तो उसे तुरंत पूजा घर से हटा दें। पूजा के लिए टूटे-फूटे और गंदे बर्तनों को प्रयोग करना अशुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में दोष भी लग सकता है। जिससे घर में कई समस्याएं उत्पन्न होने का संकट रहता है। यह गृह क्लेश और कार्यों में बाधाओं का कारण भी बन सकता है। इसलिए मंदिर के बर्तनों से जुड़े इस नियम का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

पूजा घर में खाली पैकेट और गंदगी न रखें

कई बार हम अनजाने में अगरबत्ती, धूपबत्ती या बाती का पैकेट खत्म होने के बाद उसे मंदिर में ही भूल जाते हैं। इस प्रकार की वस्तुओं को मंदिर में रखना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, मंदिर को समय-समय पर साफ करना भी आवश्यक होता है। वहां कभी भी अगरबत्ती, धूपबत्ती आदि के खाली पैकेट नहीं रखने चाहिए और न ही किसी प्रकार की गंदगी होनी चाहिए। ऐसा करने से वास्तुदोष लग सकता है।

मंदिर में ज्यादा देर न रखें भोग

काफी लोग अपने घर के मंदिर में भगवान को भोग लगाकर उसे देर तक या पूरी रात तक वहीं छोड़ देते हैं। ऐसा करना सही नहीं माना जाता है। हमेशा भगवान को भोग लगाने के कुछ देर बाद ही प्रसाद को वहां से उठाकर सभी में बांट देना चाहिए। मान्यता है कि भगवान को प्रसाद चढ़ाते ही उनका भोग लग जाता है। ऐसे में उसे वहां से हटा देना चाहिए। साथ ही, बर्तनों को साफ करके रखना चाहिए।

आशा भोसले और ओ.पी. नैयर: हिंदी फिल्म संगीत की वह जादुई साझेदारी जिसने इतिहास रच दिया

भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम युग में कुछ ऐसी जोड़ियां बनीं, जिन्होंने संगीत की दिशा ही बदल दी। इन्हीं में एक बेहद चर्चित और प्रभावशाली जोड़ी थी–ओ.पी. नैयर और आशा भोसले की। यह केवल एक संगीतकार और गायिका का पेशेवर रिश्ता नहीं था, बल्कि यह वह रचनात्मक संगम था जिसने हिंदी फिल्म संगीत को एक नया तेवर, नई पहचान और नया आत्मविश्वास दिया।

कैसे शुरू हुई यह ऐतिहासिक साझेदारी

1950 के दशक की शुरुआत में जब हिंदी सिनेमा में लता मंगेशकर का दबदबा था, तब लगभग हर संगीतकार उनकी आवाज़ को ही प्राथमिकता देता था। लेकिन ओ.पी. नैयर इस भीड़ से अलग थे। वे अपनी अलग सोच और विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते थे। उन्हें ऐसी आवाज़ की तलाश थी जो पारंपरिक सीमाओं को तोड़ सके, जिसमें शरारत हो, नटखटपन हो, और एक आधुनिक अंदाज हो।

यहीं पर उनकी मुलाकात आशा भोसले से हुई। उस समय आशा भोसले को उद्योग में वह सम्मान और अवसर नहीं मिल रहे थे, जो उन्हें बाद में मिला। लेकिन नैयर ने उनकी आवाज़ में वह संभावनाएं देखीं, जिन्हें बाकी लोग नजरअंदाज कर रहे थे।

लता मंगेशकर से दूरी: एक बड़ा निर्णय

यह सवाल अक्सर उठता है कि आखिर क्यों ओ.पी. नैयर ने लता मंगेशकर के साथ काम नहीं किया। इसके पीछे कई कारण बताए जाते हैं।

एक प्रमुख कारण उनकी संगीत शैली थी। नैयर का संगीत अधिकतर पश्चिमी धुनों, घोड़े की टाप जैसी रिद्म और पंजाबी लोक संगीत से प्रभावित था। उन्हें ऐसी आवाज़ चाहिए थी जो अधिक खुलकर, बिंदास और लचीले अंदाज में गा सके। उनका मानना था कि लता मंगेशकर की आवाज़ बेहद मधुर और शुद्ध है, लेकिन वह उस तरह के 'सेंसुअस' और चंचल गीतों के लिए उपयुक्त नहीं है, जिन्हें वे बनाना चाहते थे।

इसके अलावा, कुछ मतभेदों और व्यक्तिगत कारणों की भी चर्चा होती है, हालांकि इन पर कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। लेकिन इतना तय है कि नैयर ने अपने करियर में कभी भी लता मंगेशकर के साथ काम नहीं किया–जो अपने आप में एक अनोखी बात है।

आशा भोसले को क्यों चुना गया

आशा भोसले की आवाज़ में बहुमुखी प्रतिभा थी। वे हर तरह के गीत–क्लासिकल, कैबरे, ग़ज़ल, रोमांटिक और लोकधुन–को आसानी से निभा सकती थीं। ओ.पी. नैयर ने उनकी इसी क्षमता को पहचाना और उन्हें अपने संगीत का मुख्य स्तंभ बना लिया।फिल्म 'नया दौर' (1957) इस साझेदारी का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। इसके बाद 'हावड़ा ब्रिज', 'कश्मीर की कली', 'एक मुसाफिर एक हसीना' जैसी फिल्मों में दोनों ने मिलकर एक के बाद एक सुपरहिट गीत दिए।

संगीत की नई पहचान

इस जोड़ी ने हिंदी फिल्म संगीत को एक नया रूप दिया। उनके गीतों में जोश, ऊर्जा और एक अलग ही किस्म की जीवंतता होती थी। 'आईये मेहरबान', 'जरा हौले–हौले चलो', 'ये है रेशमी जुल्फों का अंधेरा' जैसे गीत आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं जितने उस दौर में थे। ओ.पी. नैयर की धुनों में जो पश्चिमी प्रभाव था, उसे आशा भोसले की आवाज़ ने एक नया आयाम दिया। उनकी गायकी में एक खास किस्म की 'अदा' थी, जो नैयर के संगीत के साथ पूरी तरह मेल खाती थी।

व्यक्तिगत रिश्ते और दूरी

समय के साथ यह पेशेवर रिश्ता व्यक्तिगत स्तर पर भी गहरा हुआ। हालांकि बाद में दोनों के बीच मतभेद भी हुए और उनकी राहें अलग हो गईं। लेकिन जो विरासत उन्होंने मिलकर बनाई, वह आज भी भारतीय संगीत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है।

एक विरासत जो अमर है

आशा भोसले और ओ.पी. नैयर की जोड़ी ने यह साबित कर दिया कि अगर संगीतकार और गायक के बीच सही तालमेल हो, तो वे किसी भी परंपरा को तोड़कर नया इतिहास रच सकते हैं।

यह केवल गीतों की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस साहस की कहानी है, जिसमें एक संगीतकार ने भीड़ से अलग रास्ता चुना और एक गायिका ने अपनी प्रतिभा से उसे सही साबित कर दिया।

हर दिन नए विचार बिग बी ने डिजिटल युग में बढ़ते मानसिक दबाव पर लिखा ब्लॉग

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने ब्लॉग पर एक बहुत ही गहरी और सोचने पर मजबूर करने वाली बात साझा की। उनका कहना है कि आज के इस डिजिटल युग में दुनिया को देखने का नजरिया कितना बदल गया है। जो लोग पुराने समय से लेकर आज तक का बदलाव देख चुके हैं, उनके लिए यह बदलाव एक दिलचस्प लेकिन चुनौतीपूर्ण सफर जैसा है। पहले समय की रफ्तार अलग थी, लोग चीजों को धीरे–धीरे समझते थे। आज सब कुछ तेज है, तुरंत है और लगातार बदल रहा है। उन्होंने लिखा, हर दिन नए विचार और आइडिया लेकर आता है और हर एक को उतनी ही लगन से पूरा करने की चाहत भी होती है। यह सब कुछ एक ही बार में नहीं किया जा सकता, इसलिए आप 'एक समय में एक काम' के सिद्धांत पर चलते हैं। ठीक है, लेकिन मन बार–बार याद दिलाता रहता है कि अभी क्या–क्या करना बाकी है और उससे जुड़ी बेचैनी भी बनी रहती है, तो आप सब कुछ छोड़कर आराम से बैठ जाते हैं। इस उम्मीद में कि मन अपनी यह उछल–कूद बंद कर देगा, लेकिन नहीं, ऐसा नहीं होता और इंटरनेट का तूफान जोरों से चलता है, जो आपका ध्यान इतनी सारी चीजों की तरफ खींच लेता है कि यह समझना बहुत मुश्किल हो जाता है कि असली चीज क्या है और कौन सी है? अमिताभ बच्चन ने बताया, जरूरत का जो जरूरी कंटेंट होता है, वह कभी–कभी नजरअंदाज हो जाता है या फिर मन हर चीज पर ध्यान देना चाहता है। अब, हालांकि सही विचारों को खोजने और जवाब ढूंढ़ने के तरीके काफी बेहतर हो गए हैं। जानकारी पाने की रफ्तार अब बस एक बटन दबाने जितनी तेज हो गई है। यह दिमाग के 'सोचने वाले बटन' से नहीं होता, जिसे अब 'नेट' नाम के इस माध्यम ने पीछे छोड़ दिया है और नई–नई जानकारियां हमें मजबूर करती हैं कि हम सबसे नई चीजों के पीछे भागें और पुरानी, जानी–पहचानी चीजों को पीछे छोड़ दें।

वे कहते हैं कि जिन लोगों ने पुराने जमाने को जिया है और अब बिल्कुल अलग तरीकों को देखकर हैरान रह जाते हैं, उनके लिए यह समय की एक दिलचस्प कहानी है। 'समय' हमेशा से ही एक भरोसेमंद और अहम चीज रहा है और यह अपने साथ एक सुखद पुरानी यादें भी लेकर आता है, जिसे सिर्फ वही लोग समझ सकते हैं जिन्होंने उस पुराने दौर को जिया है।

आज के जमाने के लिए शायद यह बात उतनी मायने नहीं रखती। वे तो बस 'अभी' में ही डूबे रहते हैं, ठीक वैसे ही जैसे हम अपने जमाने में डूबे रहते थे, जब हम उनकी उम्र के थे और नई–नई खोजों और निर्देशों का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कितना दिलचस्प है यह सब।

इन यादों को किसी चीज से नहीं बदल सकती, सिब्लिंग्स डे पर शमिता संग यादें साझा कर भावुक हुईं शिल्पा शेट्टी

आम लोगों की तरह ही फिल्मी सितारे भी अपने परिवार के साथ बिताए पलों को बेहद संजोकर रखते हैं और खास मौकों पर उन्हें फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सिब्लिंग्स डे के अवसर पर अपनी छोटी बहन शमिता शेट्टी के साथ बिताई यादों को साझा किया। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो साझा किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक के कई अनदेखे पल शामिल हैं, जिसमें दोनों बहनों की मस्ती, हंसी और उनके बीच की गहरी बॉन्डिंग साफ नजर आ रही है। वीडियो में अलग–अलग तस्वीरों के साथ मजेदार लाइन्स भी लिखी गई है। कुछ तस्वीरों में दोनों अलग अंदाज में खड़ी नजर आ रही हैं, तो कहीं खाने की बात सुनते ही उनका उत्साह देखने को मिल रहा है।वीडियो के साथ शिल्पा ने रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'तमाशा' का गाना 'मटरगश्ती' का इस्तेमाल किया। इस गाने को मोहित चौहान ने गाया। गाने की मस्ती और वीडियो का इमोशन एक–दूसरे के साथ पूरी तरह मेल खा रहे हैं।₹शिल्पा शेट्टी ने कैप्शन में लिखा, ''बहनों का रिश्ता प्यार, पागलपन और यादों का ऐसा संगम होता है, जिसे मैं कभी किसी भी चीज के लिए बदलना

नहीं चाहूंगी।''अगर शमिता शेट्टी की बात करें, तो उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2000 में फिल्म 'मोहब्बतें' से की थी। इसके बाद उन्होंने 'बेवफा', 'जहर' और 'कैश' जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्मों के अलावा उन्होंने कई चर्चित रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया, जिससे उन्हें घर–घर में पहचान मिली।

वहीं शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'सुखी' में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन सोनल जोशी ने किया था। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से निकलकर खुद को फिर से पहचानने की कोशिश करती है। यह कहानी हर उस महिला से जुड़ती है, जो अपने सपनों को फिर से जीना चाहती है।

फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है...

पूजा हेगड़े ने 'जन नायकन' पायरेसी पर जताया दुख

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर–कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे।

वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर–कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।

प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें।'जन नायकन' एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जो थलापति विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोद हैं।

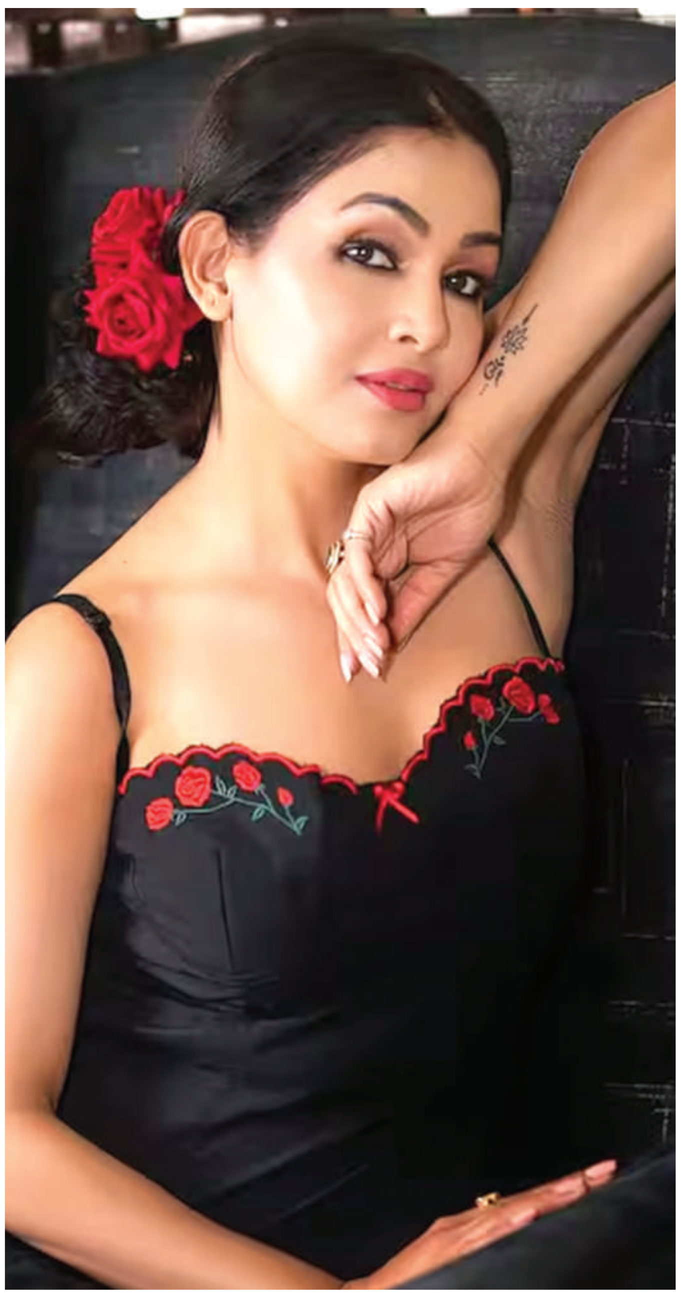

रिलेशनशिप में आने के सवाल पर शुभांगी अत्रे ने शेयर की भावनाएं कहा, अब पका घड़ा हो चुकी हैं

छोटे पर्दे पर आने वाले सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी अत्रे टीवी का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने तकरीबन 10 साल तक सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया। उन्होंने आईएएनएस से अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं से जुड़ी बातें कीं। उन्होंने रिलेशनशिप में आने के सवाल पर भी खुलकर बात की। शुभांगी अत्रे 11 अप्रैल को अपना जन्मदिन मनाने वाली हैं। अभिनेत्री ने कहा, जिंदगी कई चैप्टर के साथ आती है, और इसमें कुछ लोग जाते हैं और कई लोग आकर चले जाते हैं। 20 की उम्र में ऊर्जा ज्यादा होती है, लेकिन सही और गलत की पहचान नहीं होती, जबकि बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि आप स्वीकार करना सीख जाते हैं। आपको पता होता है कि जो हो रहा है, वो ठीक ही होगा और इसका कोई न कोई कारण होगा और शिकायतें भी कम हो जाती हैं। अभिनेत्री की बेटी यूएस में पढ़ाई कर रही हैं और उससे दूरी बर्दाश्त करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। मां और बेटी के रिश्ते पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, बेटी यूएस में पढ़ रही है और टाइम जोन का इतना फर्क है कि कभी काफी लंबा समय हो जाता है बिना बात किए। मुझे लगता है कि पढ़ाई करना सबसे ज्यादा जरूरी है, जैसे मैं इंदौर से मुंबई आई अपने सपनों को पूरा करने के लिए, वैसे ही अपनी बेटी को उसका सपना पूरा करने के लिए यूएस भेजा है। हर माता–पिता का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को उड़ने का हौसला दें और आज के समय में हर महिला का सशक्त होना बहुत जरूरी है।

शुभांगी अत्रे सिंगल हैं और फिलहाल किसी तरह के रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका खुद का अनुभव कहता है कि पति–पत्नी से ज्यादा उन्हें दोस्ती का रिश्ता पसंद है। कभी–कभार बहुत अकेला लगता है, खासकर किसी परेशानी के समय में, लेकिन अब इस उम्र के साथ चीजों से डील करना भी आ गया है। इस उम्र में मुझे लगता है कि आप पका घड़ा बन जाते हैं, जिसे किसी रिश्ते में ढालना मुश्किल होता है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए वो पति–पत्नी ज्यादा अच्छे हैं, जो दोस्त हैं। वो रिश्ता खुलकर जीने वाला होता है, न कि डरने वाला। अगर मैं किसी रिश्ते में आई भी तो पहले दोस्ती का रिश्ता बनाऊंगी। मुझे नहीं लगता है कि मुझे किसी भी फैसले को लेकर कभी रिग्रेट हुआ है। मेरा मानना है कि जिंदगी में कोई भी आता है, वो आपको कुछ सिखाने के लिए आता है। मेरी शादी भी बहुत जल्दी हो गई थी, लेकिन समय के साथ हर किसी की भावनाएं बदल जाती हैं, तो मुझे कुछ चीजों की याद आती हैं, लेकिन किसी को लेकर पछतावा नहीं है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़ बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जी-वनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अप्रैल 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 01:11 तक
नक्षत्र : श्रवण दोपहर 03:14 तक
योग : साध्य सायं 06:14 तक
करण : वणिज दोपहर 01:14 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:01,सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वरुथिनी एकादशी व्रत, श्रीवल्लभाचार्य जयंती , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हिसार यूनिवर्सिटी में करोड़ों के घोटाले का आरोप, लोकायुक्त जांच के आदेश

गुरुग्राम, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी में उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों और शिक्षकों के भ्रष्टाचार ने ना केवल भाजपा सरकार की जीरो टोलरेंस नीति की पोल खोल दी है, बल्कि इस नीति पर सवाल भी खड़े किए हैं। यूनिवर्सिटी में वर्षों से हो रहे भ्रष्टाचार से यह भी साबित हो गया है कि जीरो टोलरेंस नीति की सिर्फ बातें होती हैं। भ्रष्टाचार तो भाजपा सरकार में जमकर हो रहा है। बेशक इस मामले में अब लोकपाल की ओर से जांच के आदेश दिए गए हैं, लेकिन इतने बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार होना भी भ्रष्टाचार रोकने वाली एजेंसियों की भी विफलता है। हरियाणा की भाजपा सरकार भी अब सवालों के घेरे में आ गई है। रविवार को गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी टीचर्स के प्रेजीडेंट विनोद गोयल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह से इस विषय पर मुलाकात की। विनोद गोयल ने मुख्यमंत्री से कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित करने, यूनिवर्सिटी में पारदर्शी और जवाबदेह शासन बहाल करने के लिए तुरंत दखल देने का आग्रह किया। बता दें कि वर्ष 1995 में स्थापित हुई हिसार की प्रतिष्ठित गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (गुजवि) में वर्ष 2003 में यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विभाग को हरियाणा स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड पंचकूला की ओर से वॉटर एक्ट, 1974 और एयर एक्ट, 1981 के तहत हरियाणा में अलग-अलग इंडस्ट्रियल यूनिट्स से पानी और हवा के सेंपल की टेस्टिंग करने के लिए अधिकृत किया गया था। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के नियमों के अनुसार ऐसी टेस्टिंग के लिए एक अलग प्रयोगशाला बनाई जानी थी। सभी तरह की टेस्टिंग बोर्ड की ओर से तय नियम एवं शर्तों के अनुसार ही होनी थी। गुजवि में इस तरह की कोई प्रयोगशाला नहीं बनाई गई। बिना प्रयोगशाला के और बिना किसी जांच के ही जांच रिपोर्ट जारी की जाती रही। इस तरह से पर्यावरण के नियमों और पर्यावरण के साथ खुला खिलवाड़ किया गया। यह काम भी किसी एक व्यक्ति या अधिकारी ने नहीं किया, बल्कि एक के बाद एक अधिकारी मिलकर इस फर्जीवाड़े को अंजाम देते रहे। हर विभाग के प्रमुख ने अपने रिसर्च स्कॉलर्स के साथ मिलकर करोड़ों रुपये का वित्तीय घोटाला इस तरह से किया गया।

वर्ष 2014 में प्रदेश सरकार को इस संबंध में शिकायत भेजी गई। शिकायत पर सरकार की ओर से विजिलेंस विभाग से जांच कराई गई। पहले विजिलेंस जांच में जांच अधिकारी भूपेंद्र शर्मा की ओर से गुजवि में तत्कालीन प्रोफेसर एवं वर्तमान कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई व प्रोफेसर नरेंद्र कुमार बिश्नोई गंभीर आरोपों में दोषी पाए गए। जांच रिपोर्ट में पता चला कि नकली केमिकल बिल जमा करके गबन किया गया।

महिला नेतृत्व वाला विकास ही 'विकसित भारत-2047' की नींव : प्रियदर्शिनी

झज्जर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। झज्जर स्थित भाजपा कमलम कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शिनी ने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023' महिलाओं को नीति की लाभार्थी से नीति निर्माता बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सशक्त करेगा और देश के लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाएगा। इस अवसर पर सोमवती जाखड़, सुनीता चौहान, कमलेश अत्री एवं सरोज राठी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला भी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह अधिनियम केवल एक संवैधानिक संशोधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण अब केवल समानता या प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना समय की मांग है। प्रियदर्शनी ने कहा कि भाजपा सरकार का दृष्टिकोण 'महिला विकास' से आगे बढ़कर 'महिला नेतृत्व वाले विकास' का है। 'लखपति दीदी' और 'नमो ड्रोन दीदी' जैसी योजनाएं महिलाओं को तकनीक और उद्यमिता से जोड़ रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' भारत को 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और देश के लोकतंत्र को और अधिक समावेशी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाएगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शनी ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से उन्हें और अधिक अवसर प्राप्त होंगे, जिससे देश के विकास को नई गति मिलेगी।

बाबा साहेब ने देश को एकता के सूत्र में बांधने का किया कार्य : कृष्ण बेदी

चंडीगढ़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर ने सर्व समाज की भलाई के लिए सभी को राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को चण्डीगढ सेक्टर 3 निज निवास स्थान पर डा. भीमराव अम्बेडकर जंयती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। बेदी ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ चण्डीगढ से दिल्ली के लिए संविधान बस यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इन तीन बसों में श्रद्वालु दिल्ली स्थित अलीपुर रोड़ पर बाबा साहेब के स्मारक के दर्शन करेंगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि डा. भीम राव अम्बेडकर जब लन्दन में राउण्ड टेबल कांग्रेस में भाग लेने गए, तब अंग्रेजों ने कहा कि अम्बेडकर आप अलग अछूत स्थान देश की मांग कर लो। उन्होंने अलग देश का ड्राफ्ट भी तैयार कर लिया था। तब बाबा साहेब ने कहा कि देश के टुकड़े नहीं होने देंगे और देश को प्रजातांत्रिक ढंग से चलाएंगे और इसी देश में रहकर हमारे समाज के लोगों को सम्मान और न्याय दिलाने का कार्य करेंगे।

बेदी ने कहा कि इस प्रकार बाबा साहेब ने राष्ट्र की एकता के लिए काम किया। इसलिए बाबा साहेब को नए भारत का शिल्पकार कहा जाता है। डा. भीम राव अम्बेडकर ने हमें बेहतर संविधान का निर्माण कर हर गरीब वर्ग को उनके हक दिलाए। इस प्रकार बाबा साहेब ने सर्व समाज के हित के लिए कार्य किया। लेकिन कुछ लोगों ने उन्हें एक समाज की डोर में बांध दिया है जो बिल्कुल भी सही नहीं है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार बाबा साहेब के जनहितैषी नीतियों एवं कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का कार्य कर रही है।

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी एचपीवी वैक्सीन : हरविन्द्र कल्याण

चण्डीगढ, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि स्वास्थ्य के साथ-साथ विकास और व्यवस्था के प्रति भी लोगों को जागरूक होना जरूरी है। हाल ही में सरकार की ओर से लॉन्च की गई एचपीवी वैक्सीन बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाएगी। बेटियों को इसे समय पर लगवाना चाहिए। कल्याण करनाल में आईएमए की स्थानीय इकाई की ओर से आयोजित वाकथॉन के शुभारंभ मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से वॉकथॉन का आयोजन करनाल क्लब से सिविल अस्पताल तक किया गया।

इसमें आईएमए के सदस्यों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बेटियों को बचाने के लिए पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने वैक्सीन लॉन्च की थी। वॉकथॉन के आयोजन के पीछे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता पैदा करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने से उनके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। समाज में विकास व व्यवस्थाओं की मजबूती के साथ-साथ जागरूकता भी जरूरी है। जीवन में जब नागरिक जागरूक होकर आगे बढ़ेंगे तो निश्चित रूप से उनकी सामाजिक कार्यों में भागेदारी बढ़ेगी। इससे समाज व राष्ट्र को फायदा होगा।

बाइक सवार बदमाशों ने अधेड से मोबाइल लूटा

जोधपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। शास्त्रीनगर थानान्तर्गत जलजोग सर्किल के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक अधेड के हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल फोन लूट लिया। शास्त्रीनगर थाना के हैड कांस्टेबल मजीद खान ने बताया है गत 8 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे गोल्फ फोर्स स्कीम निवासी राहुल कल्ला रेजीडेंसी रोड स्थित संकल्प रेस्टोरेंट के पास मोबाइल पर बात करते हुए जा रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन बदमाश आए और पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपी जलजोग चौराहे की ओर फरार हो गए। पीड़ित के अनुसार, छीना गया मोबाइल सैमसंग ड24 ऋए 5ऋ (256ऋ) है। घटना के बाद पीड़ित ने तुरंत ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई और पुलिस को खचएख नंबर भी उपलब्ध कराए।पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। फिलहाल आरोपियों का कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटे गए मोबाइल को बरामद किया जाएगा।

बहरोड आगमन पर डॉ. शानू यादव का स्वागत, प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

बहरोड़, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बहरोड़ आगमन पर डॉ. शानू यादव का कार्यकर्ताओं ने जोरदार और भव्य स्वागत किया। राठ क्षेत्र में उनकी नियुक्ति को लेकर पहले से ही उत्साह का माहौल था, जो उनके स्वागत के दौरान साफ नजर आया। शाहजहांपुर टोल से लेकर बहरोड़ तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया। नीमराना, मोहलडिया, दहमी, कांकरदोपा और बहरोड़ पुल के नीचे भी स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। बहरोड़ पुल से लेकर उनके कार्यालय तक कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाए, आतिशबाजी की और नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

सच्ची मानवता की मिशाल है अपना घर आश्रम : डॉ. गर्ग

भरतपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने तीन दिवसीय भरतपुर दौरे के प्रथम दिन रविवार को बझेरा स्थित अपना घर आश्रम के बंशी प्रकल्प में नवीन भवन के लोकार्पण एवं बालिका सदन के शिलान्यास समारोह में अतिथि के रूप में शिरकत की । इस मौके पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अध्यक्षता सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की । विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अपना घर आश्रम के सेवादारों के समर्पण एवं आवासित लोगो के आत्मविश्वास तथा आश्रम के सेवाभावी कार्य से वे अभिभूत हैं। उन्होंने अपना घर आश्रम के संस्थापाक डॉ. बी एम भारद्वाज की प्रशंसा करते कहा कि उन्होंने अपना जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित कर दिया जो समाज के लिये एक आदर्श हैं । उन्होने कहा की सच्ची मानवता का दृश्य कहीं देखने को मिलता है तो वह अपना घर आश्रम है । उन्होंने मानवता की सेवा को ही ईश्वर की सेवा बताते हुए अपना घर आश्रम से प्रेरणा लेने का आव्हान किया ।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजीविका मिशन की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में रविवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी 41 जिलों से जिला परियोजना प्रबंधक एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लगभग 425 लखपति दीदियों ने सहभागिता की। मुख्य सचिव ने सिटिजन-सेंट्रिक अप्रोच के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। विभिन्न जिलों से जुड़ी लखपति एवं मिलियनेयर दीदियों- बीकानेर से मोनिका, जयपुर से शांति एवं शालिनी, धौलपुर से पार्वती, जैसलमेर से डिंपल, जालौर से ललिता, अलवर से कविता, टोंक से पिंकी, राजसमंद से सरिता, डूंगरपुर से गायत्री, भरतपुर से बृजेश, झालावाड़ से सुशीला एवं बाड़मेर से डिंपल ने अपने अनुभव साझा किए। बैठक के दौरान मुख्य सचिव द्वारा राजीविका के कार्यों की समीक्षा करते हुए 10-स्टेप रिफॉर्म लागू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजीविका मिशन के अंतर्गत 4.34 लाख स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 51.22 लाख परिवारों की महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु क्रेडिट लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं स्किल लिंकेज पर आधारित एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सफलता की कहानियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, महिलाओं के साथ प्रत्येक माह वेबिनार आयोजित कर सतत संवाद एवं मार्गदर्शन बनाए रखने के लिए भी कहा।

मुख्य सचिव ने विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों एवं महानगरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों हेतु एक समग्र कैलेंडर एवं शो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि उत्पादों को बेहतर बाजार एवं प्रदर्शन के अवसर प्राप्त हो सकें।

उन्होंने उद्योग, एमएसएमई, बीआईपी, टेक्सटाइल एक्सपोर्ट से जुड़े विभागों, आरएसएलडीसी एवं आईटीआई जैसे संस्थानों के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए, जिससे महिलाओं को अधिक अवसर एवं आजीविका के स्थायी साधन उपलब्ध कराए जा सकें। साथ ही, महिलाओं द्वारा संचालित कुटीर उद्योगों को विकसित कर उन्हें एमएसएमई के रूप में स्थापित करने पर के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्य सचिव द्वारा राजस्थान महिला निधि से संबंधित बैंकिंग प्रक्रियाओं, ऋण अवधि एवं पुनर्भुगतान प्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अनमोल वचन

खुशी तब होती है जब आप जो सोचते है जो कहते है और जो करते है, सब में संतुलन होता है।
विलियम शेक्सपियर

हम जितना अध्ययन करते है, उतना ही हमे अपने अज्ञान का आभास होता जाता है।
स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वत: समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है। यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैँ। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

युद्ध विराम' प्रश्नों पर 'विराम' नहीं? 'अंतिम विराम' कब?

राजीव खंडेलवाल। (लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास

युद्ध में शामिल हुए बिना पाकिस्तान विजयी! भारत हारा?

विश्व पटल की राजनीति की यह एक नई स्थिति है, जहां युद्ध करने वाले, शुरू करवाने वाले, उत्प्रेरित करने वाले एवं युद्ध को भड़काने के लिए सैन्य सहायता देने वाला देश तथा आतंकी गतिविधियों को उत्जनित करने वाला देश और उनके राष्ट्राध्यक्ष शांति के नोबेल पुरस्कार के संभावित स्वाभाविक दावेदार हो रहे हैं? युद्ध नहीं, बुध व गांधी की शांति व अहिंसा की बात करने वाला भारत नोबेल पुरस्कार के मैदान में प्रवेश करने के मौके की परिस्थितियों बनाने में असमर्थ रहा।

अमेरिका द्वारा कई बार बढ़ाई जाने के बाद खींची गई समय सीमा खत्म होने के मात्र 2 घंटे पूर्व ईरान-अमेरिका-इजरायल के बीच 14 दिनों के लिए युद्ध विराम होने पर अंतत: विश्व ने राहत महसूस की। युद्ध में 'कौन जीता कौन हारा'? पर स्तंभकार, अंतरराष्ट्रीय राजनीति के विशेषज्ञ, राष्ट्राध्यक्ष आकलन कर रहे हैं। लेकिन भारत की दृष्टि से एक भारतीय होने के नाते विश्व युद्ध (जिसकी आशंका व्यक्त की जा रही थी) न होने के बावजूद विश्व को प्रभावित करने वाले इस युद्ध में हम कहां खड़े रहे? हमारे पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान की क्या भूमिका रही? इस पर हर किसी भारतीय को गहनता से विचार करने की आवश्यकता है, ताकि हम अपने प्रधानमंत्री को यह संदेश व फीडबैक दे सके, हमारी विदेश नीति कितनी सफल/असफल रही?

नोबेल पुरस्कार की दौड़ में शामिल! पाकिस्तान: इसमें कोई शक नहीं कि 40 दिनों तक चल रहे युद्ध में अंतरराष्ट्रीय संस्था FATF द्वारा अक्टूबर 2022 तक 'आतंकवादी वित्तपोषण' के करण 'ग्रे लिस्ट' में रखा गया पाकिस्तान विश्व पटल पर अप्रत्याशित एक 'शांति दूत' के रूप में उभरा। लगातार नोबेल पुरस्कार का दावा करने वाले प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शरीफ भी बिगर 'दावे' के दौड़ में शामिल हो गए हैं। विश्व पटल की राजनीति की यह एक नई स्थिति है, जहां युद्ध करने वाले, शुरू करवाने वाले, उत्प्रेरित करने वाले एवं युद्ध को भड़काने के लिए सैन्य सहायता देने वाला देश तथा आतंकी गतिविधियों को उत्जनित करने वाला देश और उनके राष्ट्राध्यक्ष शांति के नोबेल पुरस्कार के संभावित स्वाभाविक दावेदार हो रहे हैं? युद्ध नहीं, बुध व गांधी की शांति व अहिंसा की बात करने वाला भारत नोबेल पुरस्कार के मैदान में प्रवेश करने के मौके की परिस्थितियों बनाने में असमर्थ रहा।

भारत की अक्रमण्य भूमिका: इसमें कोई शक नहीं, पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व का लगातार दौरे कर के मेहनत से अपनी एक 'विश्व गुरु' की स्थिति बनाई है। लेकिन वर्ष 2025 में ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पिछले 14 महीनों में प्रधानमंत्री की उक्त छवि पर गहरा आघात पहुंचा है। 'ऑपरेशन गंगा' के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने रूस-यूक्रेन के बीच कुछ घंटों के लिए युद्ध रूकवाया। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस युद्ध विराम में ही नहीं बल्कि 40 दिन चले अमेरिका- इजरायल- ईरान के बीच युद्ध में वे कभी भी मध्यस्थता का प्रस्ताव नहीं दे पाए। वे खड़े कहां हैं? इस पर उन्हें गहन आत्मलोचन करना चाहिए। जिओ पॉलिटिक्स मैं अग्रणी भारत पाकिस्तान से हर मामलों में कई गुना बेहतर होने के बावजूद वह रोल अदा नहीं कर सका जो पाकिस्तान ने किया। इससे यह सिद्ध होता है एक कंगाल भूखहाल अनेकोनेक समस्याओं से ग्रस्त राष्ट्र भी संपन्न देशों के बीच अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। याद कीजिए, प्रेसिडेंट ट्रंप ने कई बार भारत पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाने की बात कही, बावजूद इस स्थिति के कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान के मामले में किसी भी 'तीसरे' देश की मध्यस्थता से हमेशा स्पष्ट इनकार किया है। यद्यपि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकन प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बहुत ही व्यक्तिगत प्रगाढ़ संबंध है। ईरान से भी युद्ध आरंभ होने के पूर्व तक अच्छे ऐतिहासिक संबंधों की गाथा कही जाती रही, जहां महात्मा गांधी के नाम से सड़के, स्टेडियम, अस्पताल आदि है। 9 करोड़ जनसंख्या वाला ईरान अपनी सार्वभौमिकता को लेकर अमेरिका के सामने 56 इंच का सीना तानकर खड़ा हो सकता है, तब 140 करोड वाला भारत अपने स्वाभिमान व संप्रभुता को लेकर चुप क्यों?

' बैक-चैनल और शटल डिप्लोमेसी से 'बदनाम' शहबाज 'शरीफ' हो गए। ': ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बजाय शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल असीम मुनीर को समझौता वार्ता के लिए चुना। बेमन से ही सही, पाकिस्तान की इस कूटनीतिक सफलता से विश्व में पाकिस्तान की एक नए रूप के उभार को हमें स्वीकार करना ही होगा। यही हमारी विदेश नीति स्पष्ट रूप से असफल होती दिखती है। युद्धरत दो देशों को तुरंत युद्ध विराम पर सहमत कर आगे स्थाई शांति के लिए समझौता वार्ता के लिए तैयार कराने के एक इस कृत्य ने आतंकवादी गतिविधियों को चलाने व पनाह देने वाला पाकिस्तान को पूरे विश्व में शांति का मसीहा बना दिया। पाकिस्तान अमेरिका का पिछलग्गू होने के साथ सऊदी अरब जो ईरान का दुश्मन है, के साथ रक्षा संबंधी ट्रीटी करने के बावजूद, ईरान- अमेरिका युद्ध के दौरान 'न पूर्ण समर्थन न पूर्ण विरोध की नीति' अपना कर ईरान से संबंधों का संतुलन बनाए रखा। हमारी मेंनस्ट्रीम मीडिया का तो दिवालिया ही निकल गया, जो बीच युद्ध में पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिश को नकार रहा था। तथापि चीन भी पर्दे के पीछे चुप रहकर अपनी सहायक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा था, जबकि हम रात में सो रहे थे।

'अमेरिका की विजय': 1 अमेरिका की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि उसकी ईरानी सभ्यता को प्राप्त करने की गंभीर धमकी के आगे वह ईरान, जिसने घोषणा की थी कि आगे वह अमेरिका से कभी बातचीत नहीं करेगा, को बातचीत के टेबल पर आने के लिए रजामंद होना पड़ा।

2 दूसरी बड़ी उपलब्धि होर्मुज जलडमरूमध्य का समुद्री रास्ता विश्व के लिए खुल गया जो अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गई युद्ध के कारण बंद हो गया था।

3 अमेरिका ने अपने 'दोस्त' भारत को छोड़कर पाकिस्तान से 'आतंकवादी देश का तमगा' हटाकर उसे 'शांति दूत' के रूप में स्थापित किया, जो आगे मिडिल ईस्ट खासकर मुस्लिम देशों में अमेरिका के लिए एक बड़ा 'टूल' सिद्ध हो सकता है।

4 ईरान के सर्वोच्च नेता एवं शिया संप्रदाय के विश्व के सर्वोच्च धार्मिक नेता आयतुल्लाह खोमेनई सहित 40 से अधिक सर्वोच्च कमांडरों की हत्या कर हार्डकोर शासन परिवर्तन के दावे के बावजूद परिणाम आशानुकूल नहीं मिले।

5 ईरान की हवाई शक्ति को नेस्तनाबूद करने का दावा। तथापि पूरी तरह सही नहीं।

'ईरान की उपलब्धियां: 1 खोमेनई के 40 दिन के राष्ट्रीय शोक की समाप्ति पर ईरान को सबसे बड़ा यह मिला कि उसके 10 सूत्री स्थाई शांति प्रस्ताव पर ही आगे शांति वार्ता (इस्लामाबाद टॉक) की जाएगी।

2 दूसरी; ईरान की उपलब्धि यह रही कि होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते पर उसकी निगरानी और नियंत्रण बना रहेगा, भले ही जहाजों का आवागमन निर्बाध, बिना किसी 'चौथ वसूली' के तुरंत शुरू हो जाएगा।

3 तीसरा; इसराइल को बातचीत में शामिल किए बिना न केवल इजराइल ने इस अस्थाई युद्ध विराम को स्वीकार किया है, बल्कि उसने लेबनान पर हमला रोकने की घोषणा भी की है।

4 ईरान अपने परमाणु संयंत्रों को बचाए रखने में सफल रहा।

ईरान में संचार अंधकार का दौर सत्ता, संघर्ष और समाज के बीच टूटता संवाद

कांतिलाल मांडोत

ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है।

मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और टकराव के बीच ईरान में एक और गंभीर स्थिति सामने आई है, जहां संचार व्यवस्था का ठप हो जाना अब एक नए संकट के रूप में उभर रहा है। पिछले सैंतीस दिनों से देश में संचार सेवाओं पर लगा प्रतिबंध न केवल आम नागरिकों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि यह शासन, सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच गहरे संघर्ष को भी उजागर करता है। यह स्थिति केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक कारणों का जटिल मिश्रण छिपा हुआ है।

ईरान में यह संचार बंदी ऐसे समय में लागू की गई है, जब देश बाहरी हमलों और आंतरिक अस्थिरता दोनों का सामना कर रहा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते टकराव ने वहां की सरकार को सुरक्षा के नाम पर कठोर कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है। सरकार का मानना है कि संचार माध्यमों के जरिए अफवाहें, गलत सूचनाएं और विरोध को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसलिए संचार सेवाओं को सीमित या पूरी तरह बंद करना एक रणनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन इस निर्णय का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिकों पर पड़ा है, जो अपने परिवार, मित्रों और बाहरी दुनिया से कट चुके हैं। व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और अन्य आवश्यक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। छोटे व्यापारी, छात्र और पेशेवर लोग सबसे अधिक संकट का सामना कर रहे हैं, क्योंकि उनके कामकाज का बड़ा हिस्सा संचार पर निर्भर करता है। ऐसे में यह संचार बंदी एक प्रकार से सामाजिक और आर्थिक जीवन को ठहराव की स्थिति में ले आई है। इस स्थिति का एक और पहलू अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा है। जब संचार माध्यम बंद हो जाते हैं, तो लोगों की आवाज भी सीमित हो जाती है। वे अपनी समस्याएं, विचार और विरोध खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। इससे समाज में असंतोष और निराशा बढ़ने की संभावना रहती है। इतिहास गवाह है कि जब लोगों की आवाज दबाई जाती है, तो वह किसी न किसी रूप में और अधिक तीव्रता के साथ सामने आती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विभिन्न मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि इस तरह की लंबी संचार बंदी नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। हालांकि, ईरान सरकार का तर्क है कि यह कदम अस्थायी है और देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। लेकिन सैंतीस दिनों का लंबा समय इस अस्थायी उपाय को एक स्थायी संकट का रूप देता जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम को यदि व्यापक संदर्भ में देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि संचार आज केवल सूचना का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह शक्ति और नियंत्रण का एक महत्वपूर्ण साधन बन चुका है। जो इसे नियंत्रित करता है, वह समाज की दिशा और गति को भी प्रभावित कर सकता है। ईरान में हो रही यह घटना इसी बात का उदाहरण है कि कैसे तकनीक का उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां एक ओर देशों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सूचना का प्रवाह भी एक युद्ध का रूप ले चुका है। इस सूचना युद्ध में सच्चाई और भ्रम के बीच अंतर करना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में किसी देश द्वारा संचार को पूरी तरह बंद करना एक तरह से इस युद्ध से बचने का प्रयास भी हो सकता है, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और जटिल होते हैं।

ईरान की स्थिति यह भी दर्शाती है कि आधुनिक समाज में संचार का महत्व कितना अधिक हो गया है। आज के समय में यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। इसके बिना जीवन की कल्पना करना भी कठिन है। इसलिए जब इसे अचानक छीन लिया जाता है, तो इसका प्रभाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी होता है।

आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ईरान इस स्थिति से कैसे बाहर निकलता है। क्या सरकार संचार सेवाओं को बहाल करेगी या यह प्रतिबंध और लंबा खिंचेगा, यह कई कारकों पर निर्भर करेगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव, आंतरिक हालात और सुरक्षा की स्थिति इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंतत:, यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि तकनीक और सत्ता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। जहां एक ओर सुरक्षा आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि इन दोनों के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो इसका खामियाजा समाज को भुगतना पड़ता है।

ईरान में जारी यह संचार अंधकार केवल एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक चेतावनी है कि आधुनिक युग में सूचना और संचार कितने महत्वपूर्ण हो चुके हैं। इसे नियंत्रित करने के प्रयास हमेशा विवाद और असंतोष को जन्म देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में संतुलित और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों का सम्मान बना रहे।

पाक में अमेरिका- ईरान शांति वार्ता के मायने

सौरभ वार्ष्णेय

पाकिस्तान की धरती पर अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व की बदलती भू-राजनीति का संकेत है। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब क्षेत्र लगातार तनाव, प्रॉक्सी युद्धों और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का मध्यस्थ के रूप में उभरना कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। सबसे पहले, यह पाकिस्तान के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने का अवसर है। लंबे समय तक आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक संकट से जूझने वाला पाकिस्तान अब खुद को एक जिम्मेदार और शांति-स्थापक देश के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। यदि वह अमेरिका और ईरान जैसे कट्टर विरोधियों को बातचीत की मेज पर ला पाता है, तो यह उसकी कूटनीतिक सफलता मानी जाएगी। दूसरी ओर, यह अमेरिका की रणनीतिक लचीलापन को दर्शाता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान पर दबाव की नीति अपनाता रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरण-खासतौर पर चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव-ने उसे बातचीत के रास्ते पर विचार करने के लिए प्रेरित किया है। पाकिस्तान को मंच के रूप में चुनना इस बात का संकेत है कि अमेरिका क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए नए रास्ते तलाश रहा है। ईरान के लिए भी यह वार्ता राहत का संकेत हो सकती है। आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा ईरान यदि बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था और वैश्विक संबंधों में सुधार संभव है। पाकिस्तान के साथ उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध इस प्रक्रिया को सहज बना सकते हैं। हालांकि, इस पूरी प्रक्रिया के पीछे बड़ी शक्तियों का खेल भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीन, जो पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है, इस वार्ता में अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह क्षेत्र में स्थिरता चाहता है ताकि उसकी आर्थिक परियोजनाएं, जैसे बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, सुरक्षित रह सकें। फिर भी, चुनौतियां कम नहीं हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास गहरा है, और किसी भी समझौते तक पहुंचना आसान नहीं होगा। इसके अलावा, इज़रायल और खाड़ी देशों की प्रतिक्रिया भी इस प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। पाकिस्तान में होने वाली यह शांति वार्ता केवल दो देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक क्षेत्रीय संतुलन बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो न केवल मध्य-पूर्व बल्कि दक्षिण एशिया में भी स्थिरता और शांति की नई उम्मीद जगेगी। शांति वार्ता सफल होती है तो आगे क्या? अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के बीच यदि शांति वार्ता सफल होती है, तो यह केवल दो देशों के रिश्तों में सुधार भर नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। यह एक ऐसे मोड़ की शुरुआत हो सकती है, जहां टकराव की जगह संवाद और सहयोग को प्राथमिकता मिले। सबसे पहला असर पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) की स्थिरता पर पड़ेगा। वर्षों से यह क्षेत्र युद्ध, प्रतिबंधों और प्रॉक्सी संघर्षों का केंद्र रहा है। शांति समझौते के बाद यमन, सीरिया, इराक और लेबनान जैसे देशों में चल रहे तनाव कम हो सकते हैं। ईरान समर्थित गुटों और अमेरिकी सहयोगी देशों के बीच टकराव में कमी आएगी, जिससे क्षेत्र में स्थिरता और शांति की संभावना बढ़ेगी। दूसरा बड़ा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दिखेगा। ईरान पर लगे प्रतिबंध हटने या कम होने की स्थिति में वह खुलकर तेल निर्यात कर सकेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों में गिरावट आ सकती है।

खास बात

चार दिनों की चांदनी फिर हरियाली रात?

शेयर बाजार में भारी उत्तल-पुथल मची हुई है. लगातार दम गिरते चले जा रहे हैं. जैसे ही बाजार में तेजी की रौनक आती है। उसके बाद मुनाफा वसूली होने से मार्केट फिर तेजी के साथ गिरता है। शेयर बाजार की यह हालत देखकर हम लोग कहने लगे हैं। चार दिनों की चांदनी फिर हरियाली रात। शेयर बाजार से निवेशकों का भरोसा टूटता चला जा रहा है।

सर्वशक्तिमान ज्ञानेश कुमार

भारत में पहली बार नामांकन होने के बाद मतदाता सूची फाइनल होगी। मतदाता सूची फाइनल होने के बाद चुनाव की अधिसूचना जारी होती थी। सभी उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों को फाइनल मतदाता सूची दे दी जाती थी। जो उम्मीदवार चुनाव लड़ना चाहता है, उसे भी पता नहीं है. उसका नाम मतदाता सूची में है, या नहीं. इसी को कहते हैं निष्पक्ष चुनाव आयोग. देश भर में चुनाव की नहीं चुनाव आयोग की चर्चा हो रही है. केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आज की तारीख में भारत में सर्वशक्तिमान हैं। यह कुछ भी करें, इनके ऊपर कोई मुकदमा नहीं चल सकता है. इनसे कोई जवाब नहीं मांग सकता है। सुप्रीम कोर्ट प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से भी ऊपर हो गए हैं। 193 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव उनके खिलाफ पेश किया था। संसद के दोनों सदनों ने उसे खारिज कर दिया है। संसद में चर्चा ही नहीं होने दी। इससे अंदाज लगाया जा सकता है, केंद्रीय चुनाव आयुक्त भारत के सर्व शक्तिमान हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था। इस प्रस्ताव में चर्चा होने के पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। उनके घर पर करोड़ों रुपए के जले हुए नोट पाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने जांच की थी। जांच एजेंसी ने उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी लगाई। वह अपने आप को निर्दोष बता रहे थे। महाभियोग प्रस्ताव पेश होने के बाद भी उन्होंने चुप्पी साध रखी थी। संसद में उनके महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा होती, इसके पहले ही उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। बड़े-बड़े पदों पर बैठे लोग जब किसी मामले में बुरी तरह से फंस जाते हैं। तो किसके कहने पर वह इस्तीफा देते हैं। अब उस व्यक्ति की खोज की जा रही है।

आतंकवादी देश पाकिस्तान में शांति वार्ता

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध को लेकर पाकिस्तान में शांति वार्ता होने जा रही है. पाकिस्तान हथियारों से लैस खतरनाक आतंकवादी देश भारत मानता है. इसके बाद भी अमेरिका, इजराइल और ईरान ने पाकिस्तान पर भरोसा किया है। भारत विश्व गुरु है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध इजराइल और अमेरिका से बहुत अच्छे हैं। ईरान से भी हमारे हजारों वर्षों के रिश्ते हैं। उसके बाद भी भारत को शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ नहीं बनाया गया। आतंकवादी देश पाकिस्तान को पूरी दुनिया में सराहा जा रहा है।

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है।

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है। दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है।

फिट इंडिया आंदोलन से जुड़ें युवा, अपनाएं सक्रिय जीवनशैली : डा. मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने रविवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में फिट इंडिया संडेज आन साइकिल के 69वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्र निर्माण में फिटनेस की अहम भूमिका पर जोर देते हुए लोगों से फिट इंडिया आंदोलन से जुड़ने और एक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

डा. मंडाविया ने कहा कि संडे आन साइकिल अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरित है, जिसके कारण देश के युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी ने फिट इंडिया का संदेश दिया है। यह केवल एक संदेश नहीं, बल्कि विकसित भारत के लिए एक आवश्यकता है।

फिटनेस के महत्व को रेखांकित करते हुए डा. मंडाविया ने कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसके नागरिकों, खासकर युवाओं का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज ही विकसित राष्ट्र बनाता है। मैं हर नागरिक से, विशेष रूप से इस देश के युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे संडे आन साइकिल आंदोलन से जुड़ें और फिट इंडिया का संदेश फैलाएं।

खेल मंत्री ने फीट इंडिया एप के जरिए फिटनेस के साथ सस्टेनेबिलिटी को जोड़ने पर भी जोर दिया। इस ऐप की मदद से नागरिक साइकिल चलाकर कार्बन क्रेडिट कमा सकते हैं। इस पहल का मकसद पर्यावरण के अनुकूल आवाजाही को बढ़ावा देना और साथ ही सेहतमंद जीवनशैली को पुरस्कृत करना है। जमा हुए कार्बन क्रेडिट का इस्तेमाल उत्पाद खरीदने के लिए किया जा सकता है।

कार्यक्रम का माहौल बेहद उत्साहपूर्ण रहा– तेज संगीत, जुम्बा सेशन, योग गतिविधियां, रस्सी कूद, टग आफ वार और विभिन्न फिटनेस गेम्स ने इसे एक जीवंत फिटनेस उत्सव बना दिया। हर उम्र के लोग, छात्र, पेशेवर, खिलाड़ी शामिल हुए।

कार्यक्रम में राहगीरी फाउंडेशनद्वारा स्टेट यूथ लीडर्स थीम पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।

न्यूज ब्रीफ

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

लाहौर। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे।मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी–नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। किंग्समेन को उम्मीद है कि मैक्सवेल के आने से उसे लाभ होगा। मैक्सवेल ने अब तक 503 टी20 मैचों में 10986 रन और 198 विकेट लिए हैं। वहीं 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2897 रन और 51 विकेट हैं। मैक्सवेल ने आईपीएल में अलग–अलग टीमों से करीब एक दशक तक खेला है। मैक्सवेल को जिस प्राकर सीए ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया है। उससे साफ है कि उनका करियर खतरे में पड़ गया है। उन्होंने साल 2012 में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में आस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था।

रायल्स के मैनेजर को मोबाइल चलाते देखकर हैरान ललित मोदी ने उठाये सवाल

गुवाहाटी। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने राजस्थान रायल्स और रायल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आसीबी) के बीच बीच हुए मैच में मोबाइल फोन चलाने को लेकर रायल्स के मैनेजर रोमी भिंडर पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने कहा है कि रायल्स के मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि उसे भी इस मामले में सजग रहना चाहिये था। रायल्स और आरसीबी मैच के दौरान मैनेजर भिंडर खिलाड़ियों के पास बैठकर फोन ही फोन चला रहे थे जबकि मैव के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रानिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की इजाजत मैनेजर को नहीं है। पूर्व कमिश्नर ललित इससे हैरान दिखे। उन्होंन सोशल मीडिया पर एंटी–करप्शन अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये थी। गौरतलब है कि नियमों के तरत मैनेजर डगआउट में फोन रख सकते हैं पर चला नहीं सकते। ड्रेसिंग रूम में मोबाइल के उपयोग की अनुमति है पर मैदान में नहीं है।आईपीएल नियमों के तहत ही मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रानिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं है। टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन डगआउट में नहीं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले सीएसके के दूसरे खिलाड़ी बने सैमसन

चेन्नई। संजू सैमसन के शानदार शतक से आंखिरकार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को आईपीएल में पहली जीत मिल ही गयी। सैमसन ने 52 गेंदों पर 102 रन बनाए। शुरुआती तीन मैचों में हार के बाद सीएसके ने दिल्ली कैपटल्स को हराया। इस मैच में सैमसन ने शतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। उन्होंने इसी के साथ ही लीग में अपना चौथा शतक लगाया है। ये आईपीएल कैरियर में सैमसन को चौथा शतक है। वहीं कैपिटलस के खिलाफ शतक लगाने वाले वह सीएसके के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले साल 2012 में मुरली विजय ने दिल्ली के खिलाफ शतक लगाया था। सैमसन ने 52 गेंदों जबकि मुरली ने 58 गेंदों पर शतक लगाय था। इस प्रकार तेजी के मामले में सैमसन उनसे आगे हैं। सैमसन ने अपना पहला शतक पुणे में साल 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ लगाया था। तब उन्होंने 63 गेंदों पर 102 रन बनाए थे। वहीं 2019 में सैमसन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 55 गेंदों पर 102 रन बनाए जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ साल 2021 में वानखेड़े में 63 गेंदों पर 119 रन बनाए थे।

आरसीबी ने मुंबई को 18 रन से हराया

मुंबई, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच जीतने के बाद मुंबई इंडियंस को हैट्रिक हार मिल गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई को उसके घरेलू मैदान पर 18 रनों के अंतर से हराया। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी ने पहले बैटिंग करेत हुए 4 विकेट पर 240 रन ठोक दिए। मुंबई की टीम को अच्छी शुरुआत मिली टीम का कोई भी बल्लेबाज लगातार बड़े शॉट नहीं खेल पाया। टीम 5 विकेट पर 222 रन ही बना सकी।

आरसीबी ने विस्फोटक बैटिंग की

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी को फिल साल्ट और विराट कोहली ने दमदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 10.5 ओवर में 120 रन जोड़े। साल्ट आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नजर आए और उन्होंने महज 36 गेंदों में 216 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 78 रनों की दमदार पारी खेली।

अपनी इस पारी में साल्ट ने 6 चौके और 6 छक्के लगाए। वहीं, दूसरे छोर पर कोहली एंकर की भूमिका निभाते हुए नजर आए और उन्होंने 38 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए।

कप्तान रजत पाटीदार ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 20 गेंदों का सामना करते हुए 53 रनों की शानदार पारी खेली। रजत ने अपनी इस पारी में 265 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके और 5 छक्के लगाए। जितेश शर्मा 9 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 10 रन ही बना सके। अंत के ओवरों में टिम डेविड ने सिर्फ 16 गेंदों में 212 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 34 रन बनाए, जबकि रोमारियो शेफर्ड 2 रन बनाकर नाबाद रहे। ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर, शार्दुल ठाकुर और हार्दिक पांड्या ने एक–एक विकेट चटकाया।

रदरफोर्ड की पारी नहीं आई काम

आरसीबी से मिले 241 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी रही।

रेयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा की जोड़ी अच्छी लय में दिखाई दी। हालांकि, हैमस्ट्रिंग में खिंचाव होने के कारण रोहित 19 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए और दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। रिकेल्टन ने 22 गेंदों में 3 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे, और वह 22 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा सिर्फ एक ही बना पाए।

हार्दिक पांड्या कुछ दमदार शॉट्स खेले और वह 22 गेंदों में 40 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने।

हार्दिक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर एक रन ही बना सके। शेरफेन रदरफोर्ड ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 31 गेंदों में 71 रनों की नाबाद पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। रदरफोर्ड ने अपनी इस पारी में एक चौका और 9 छक्के लगाए। गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से सुयश शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट चटकाए, जबकि जैकब डफी ने एक विकेट अपने नाम किया।

जब मैन आफ द मैच 9 रन बनाने वाला कप्तान बना, क्रिकेट इतिहास का अनूठा किस्सा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिकेट के मैदान पर अक्सर मैन आफ द मैच का पुरस्कार उस खिलाड़ी को मिलता है, जो बल्ले या गेंद से धमाकेदार प्रदर्शन करता है। लेकिन दिसंबर 1992 में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर आस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए मुकाबले ने इस धारणा को बदल दिया। इस मैच में आस्ट्रेलिया के कप्तान मार्क टेलर ने सिर्फ 9 रन बनाए थे, फिर भी उन्हें मैन आफ द मैच चुना गया। यह क्रिकेट इतिहास के उन अनूठे उदाहरणों में से एक है, जहाँ किसी खिलाड़ी की सोच, कप्तानी और फील्डिंग ने मैच का रुख बदल दिया।

बारिश के कारण सिडनी की पिच में नमी थी, जिसने तेज गेंदबाजों को भरपूर मदद दी। आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी इस चुनौती के सामने टिक नहीं पाई और पूरी टीम महज 101 रनों पर ढेर हो गई। वेस्टइंडीज के घातक आक्रमण, जिसमें कर्टली एंब्रोज, कमिंस और कार्ल हूपर शामिल थे, ने आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। जब मार्क टेलर का बल्ला खामोश था, तब उनके दिमाग ने कमाल किया। कप्तान के तौर पर टेलर ने परिस्थितियों को बखूबी भांपा और एक शानदार रणनीति बनाई। उन्होंने फील्डिंग सेटिंग्स, गेंदबाजों के सही बदलाव और विपक्षी टीम पर दबाव बनाने की कला का ऐसा इस्तेमाल किया कि मजबूत वेस्टइंडीज टीम पूरी तरह बिखर गई। स्टीव वा और माइक व्हिटनी की गेंदबाजी का टेलर ने जबरदस्त तरीके से उपयोग किया, जिससे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे।

खतरनाक वेस्टइंडीज टीम को सिर्फ 87 रनों पर आलआउट करना कोई आसान काम नहीं था। आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने टेलर की रणनीति के अनुसार सटीक लाइन–लेंथ रखी और लगातार दबाव बनाए रखा। टेलर खुद भी फील्डिंग में बेहद मुस्तैद रहे और उन्होंने इस मैच में चार शानदार कैच लपके, जिसने विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी।

बार्सिलोना में अगस्ता गोल्फ मास्टर्स

बार्सिलोना में अगस्ता गोल्फ मास्टर्स में खेलते हुए आयरलैंड के शोन लावरी।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता : चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है। इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फार्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार–बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

वैभव सूर्यवंशी: इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फार्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ–साथ आईपीएल में भी बड़े रिकार्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे आस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकार्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हाज और शान मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकार्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकार्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकार्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था।

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामा : बाल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बाल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है। एक पाडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

कर्नाटक कांग्रेस के 30 विधायकों का दिल्ली में डेरा, कैबिनेट में बड़े फेरबदल की मांग

बेंगलुरु, 12 अप्रैल (एजेंसियां)।

कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर दिल्ली की दौड़ शुरू हो गई है। कर्नाटक कांग्रेस के करीब 30 वरिष्ठ विधायकों ने एकजुट होकर राष्ट्रीय राजधानी का रुख किया है। इनका मिशन पार्टी आलाकमान और राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्य कैबिनेट में बड़े फेरबदल के लिए दबाव बनाना है। यह खेमा सिद्धारमैया सरकार में जगह पक्की करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है।

मंत्रिमंडल में बदलाव की यह कवायद अचानक नहीं हुई है। इसकी पटकथा मार्च में हुई एक डिनर डिप्लोमेसी यानी रणनीति बैठक के दौरान ही लिख दी गई थी। हालिया उपचुनावों के नतीजों के बाद पार्टी के भीतर असंतोष के स्वर तेज हुए हैं। विधायकों का तर्क है कि अब वक्त आ गया है कि ढाई-तीन साल से कुर्सी पर जमे चेहरों को हटाकर नए और वरिष्ठ सदस्यों को मौका दिया जाए।

इसी बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस विधायकों को दिल्ली जाना कोई बुरी बात नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मंत्री पद के इच्छुक लोगों का दिल्ली जाना कोई गलत बात नहीं है। कैबिनेट में फेरबदल का काम अभी बाकी है। पांच राज्यों में चुनाव और बजट सत्र की वजह से कैबिनेट में फेरबदल में देरी हो रही है। इसी मुख्य वजह यही है।

विधायकों की मांग- 25 सीटें खाली की जाएं

दिल्ली रवाना होने से पहले कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने अपना इरादा साफ कर दिया। उन्होंने कहा, पार्टी में कुछ नेता ऐसे हैं जिन्हें तीन, चार या पांच बार मंत्री बनने का मौका मिला है। हमारा अनुरोध है कि जिन्हें अब तक जगह नहीं मिली, उन्हें भी एक अवसर दिया जाए। गोपालकृष्ण ने स्पष्ट किया कि इस पूरी यात्रा का एकमात्र और अंतिम मकसद कैबिनेट की कुर्सी हासिल करना है।एक वरिष्ठ विधायक अशोक पट्टन ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुराने वादे की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के वक्त संकेत दिया गया था कि दो साल बाद कैबिनेट में फेरबदल होगा, लेकिन अब करीब तीन साल बीत चुके हैं। कभी चुनाव तो कभी विधानसभा सत्र के बहाने इस बदलाव को टाला जाता रहा है। उन्होंने इसे 'सामूहिक नेतृत्व' की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।विधायकों का यह समूह न सिर्फ राहुल गांधी, बल्कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला से भी मिलने की जुगत में है। उनकी मांग बेहद आक्रामक है। वे चाहते हैं कि कैबिनेट की लगभग 25 सीटें खाली की जाएं ताकि एक व्यापक पुनर्गठन हो सके। विधायकों का मानना है कि जब तक पुराने चेहरों को नहीं हटाया जाएगा, तब तक नए लोगों के लिए गुंजाइश नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड का स्टॉक स्प्लिट, 17 अप्रैल एक्स-डेट तय

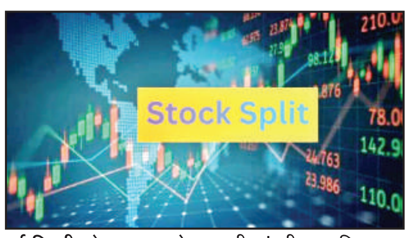

नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर की कंपनी पशुपति कॉटस्पिन लिमिटेड अगले हफ्ते बड़ा कॉरपोरेट एक्शन करने जा रही है। कंपनी ने अपने शेयरों के स्टॉक स्प्लिट के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट तय की है, जिससे निवेशकों की हिस्सेदारी संरचना में बदलाव आएगा। कंपनी के मुताबिक, 10 रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर को घटाकर 1 रुपये फेस वैल्यू में बदला जाएगा। इसका मतलब है कि निवेशकों को हर एक शेयर के बदले 10 शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस कॉरपोरेट एक्शन के लिए 17 अप्रैल को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों तय की हैं। इस फैसले के बाद निवेशकों के पोर्टफोलियो में शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी, लेकिन कुल निवेश मूल्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी निवेशक के पास पहले 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उनके पास 1000 शेयर हो जाएंगे, जबकि कुल वैल्यू पहले जैसी ही रहेगी। स्टॉक स्प्लिट आमतौर पर तब किया जाता है जब कंपनी का शेयर मूल्य ज्यादा हो जाता है और छोटे निवेशकों के लिए इसे खरीदना मुश्किल हो जाता है। फेस वैल्यू घटने से शेयर की कीमत भी उसी अनुपात में कम हो जाती है, जिससे इसकी पहुंच बढ़ती है और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार होता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के कॉरपोरेट एक्शन से ट्रेडिंग वॉल्यूम में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, निवेशकों को यह समझना चाहिए कि स्टॉक स्प्लिट से कंपनी के फंडामेंटल्स में कोई बदलाव नहीं होता, इसलिए निवेश का निर्णय केवल इस आधार पर नहीं लेना चाहिए ।

444 दिनों की एफडी पर सरकारी बैंकों में मिल रहा 6.6 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली। सुरक्षित निवेश और स्थिर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए 444 दिनों की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सरकारी बैंक इस अवधि पर आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। बैंक एफडी लंबे समय से सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प रही है, और अब 444 दिनों की अवधि निवेशकों के बीच खासा लोकप्रिय हो रही है। मौजूदा समय में सरकारी बैंक इस अवधि पर करीब 6.10 से 6.60 फीसदी तक ब्याज दर दे रहे हैं, जो कम अवधि में स्थिर रिटर्न चाहने वालों के लिए आकर्षक माना जा रहा है। प्रमुख बैंकों की बात करें तो बैंक आफ बड़ौदा 444 दिनों की एफडी पर लगभग 6.45 फीसदी रहा है। वहीं स्टेट बैंक आफश् इंडिया (एसबीआई) इस अवधि पर 6.45 फीसदी के आसपास रिटर्न ऑफर कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक आफ इंडिया भी करीब 6.60 फीसदी तक की दरें दे रहे हैं। इसके अलावा इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक इस कैटेगरी में भी 6.60 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहे हैं।

ऑटो सेक्टर के शेयर एक्सिस सिक्युरिटीज में आएगी तेजी, ब्रोकरेज ने दिया 1,860 रुपए का टारगेट

मुंबई। ऑटो कंपोनेंट्स सेक्टर में बढ़ती गतिविधियों के बीच ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड को लेकर

ब्रोकरेज हाउस एक्सिस सिक्युरिटीज ने सकारात्मक रुख अपनाया है और इसमें आगे बढ़त की संभावना जताई है। एक्सिस सिक्युरिटी ने ऑटोमोटिव एक्सेल लिमिटेड पर अपनी नई रिपोर्ट जारी करते हुए 'बाय' रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने कंपनी के लिए 1860 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 10 फीसदी की संभावित बढ़त को दर्शाता है। 10 अप्रैल को कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.67 फीसदी की तेजी के साथ 1723.85 पर बंद हुआ था। ब्रोकरेज ने इस स्टॉक में 3 से 6 महीने के नजरिए से निवेश की सलाह दी है। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार के संकेत भी मिल रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 के लिए प्रति शेयर आय 116.5 रुपए रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष के 102.9 रुपए से बेहतर है। कंपनी के मार्जिन में भी सुधार देखने को मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में एबिडा मार्जिन बढ़कर 11.4 फीसदी हो गया, जो पिछली तिमाही में 10.5 फीसदी था। मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वॉल्यूम रिकवरी बनी रहने पर यह मार्जिन 13 फीसदी के पार जा सकता है। कैपेसिटी के लिहाज से कंपनी फिलहाल करीब 80 फीसदी क्षमता पर काम कर रही है और वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही तक इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की योजना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अध्यक्ष...

इसका स्पष्ट उल्लेख संविधान की धारा 9 (1) में है।

इससे पूर्व महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना, हनुमान जी की आरती और हनुमान चालीसा के साथ आम सभा का शुभारंभ हुआ। मानद मंत्री ने प्रोटोकॉल का पालन करने हुए अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों व नि:वर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष डा. अंजनी कुमार अग्रवाल, बैन्केट हाल के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल को मंच पर आमंत्रित किया। अध्यक्ष जी की अनुपस्थिति में मानदमंत्री ने संविधान के अनुच्छेद 23 की धारा 2 का उल्लेख करते हुए उपाध्यक्ष रूपेश कुमार अग्रवाल को अध्यक्षीय जिम्मेदारी के निर्वहन का आग्रह किया।

तत्पश्चात मानद सचिव श्री विकास केशान ने आगंतुकों का स्वागत कर परंपरानुसार पिछली आम सभा का विस्तार से ब्यौरा रखा। तत्कालीन अध्यक्ष मनीष जी अग्रवाल के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए श्री केशान ने कहा कि श्री मनीष जी सबको साथ लेकर चलते थे। यही कारण है कि उनके कार्यकाल में कई उल्लेखनीय कार्य हुए। अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता को मंच पर आमंत्रित किया गया, किन्तु वे अनुपस्थित रहे, इस वजह से उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल की अध्यक्षता में सभा संचालित हुई। बतौर अध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि समाज से पद है, पद से समाज नहीं। उन्होंने कहा कि श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने अध्यक्ष रहते हुए समाज को अदालत में घसीटा, जो कि अति निंदनीय है। उन्होंने अध्यक्ष रहते हुए श्री गुप्ता द्वारा लिए गये कुछ निर्णयों को समाज के संविधान के विरुद्ध बताते हुए कहा कि कोर्ट ने जब उनसे तीन पदाधिकारियों (मंत्री, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष) को बर्खास्त करने से पहले दिये गये नोटिस का अक्नालिजमेंट माँगा तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। और तो और उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कथित ईजीएम (11 अप्रैल) की मीनट बुक भी सभा से पूर्व तैयार कर लायी गयी तथा उपस्थितों के नाम भी पहले ही लिख लिए गये, जो कि समाज के संविधान का खुलेआम उल्लंघन है। आगापुरा शाखा द्वारा श्री अनिरुद्ध गुप्ता को केएस मेंबर के रूप में हटाने संबंधी पत्र को सार्वजनिक करते हुए श्री रूपेश ने 11 रूपये लेकर केंद्रीय समिति में मेंबरशिप देने संबंधी श्री गुप्ता के विचार को समाज के प्रारूप पर कुठाराघात बताया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ तो फिर शाखाओं का वर्चस्व और ताना-बाना ही खतरे में पड जाएगा। मंचासीन पूर्व अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता जी के कार्यों को सोच से परे बताया और कडी आलोचना की। उन्होंने कहा कि समाज का वर्तमान परिदृष्य देखकर युवा वर्ग समाज कार्यों में आगे आने से कतराएगा, जो कि भविष्य के लिए उचित नहीं है। कोषाध्यक्ष श्री अचल गुप्ता ने अपने संबोधन में श्री अनिरुद्ध गुप्ता के कथित ईजीएम में दिये गये उस बयान को कोट किया जिसमें उन्होंने कहा था कि हिसाब -किताब में कोई हेराफेरी नहीं हुई, केवल समय पर लेखा जोखा प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि 31 मार्च तक का प्रोविजनल आडिट रेडी है, तो फिर देरी कहाँ से हुई?

सभा के अंत में श्री रूपेश अग्रवाल को अगले अध्यक्ष की संविधान के अनुसार नियुक्ति होने तक कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया गया और सभी ने उन्हें बधाई देकर सम्मानित किया। वहीं मतदान प्रक्रिया के कुशल संचालन हेतु डा. मोहन गुप्ता और उनकी टीम का आभार व्यक्त कर सम्मान किया गया।

इस सभा में सर्वश्री मनीष अग्रवाल, अंजनी कुमार अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल, नवीन कुमार अग्रवाल, आशीष दोचानिया, महेश नरेठा, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, महादेव प्रसाद अग्रवाल, राकेश पचेरिया, राकेश जालान, राजेंद्र जालान, विक्की सराफ, सतीश अग्रवाल, सी. ए मनोज कुमार अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद बंसल, नरेश चौधरी, सुरेश अग्रवाल (निजामाबाद) सहित हनमकोंडा शाखा के आमंत्रित पदाधिकारियों आदि बडी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

'सम्राट' ...

बिहार की राजनीति के जानकार का कहना है कि शिवराज सिंह चौहान को पर्यवेक्षक बनाना कोई सामान्य फैसला नहीं है। ये साफ संकेत है कि बिहार के अगले मुख्यमंत्री का फैसला बीजेपी का हाईकमान खुद तय करेगा। जानकार यह भी कह रहे हैं कि जब बाहर से पर्यवेक्षक आता है तो अक्सर एक चौंकाने वाला चेहरा सामने आता है। बिहार राजनीति के लिए 14 अप्रैल का दिन बहुत अहम होगा। इस दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आख़िरी बार कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करने जा रहे हैं। उसके बाद वे राज्यपाल से मिलकर त्यागपत्र सौंप देंगे। 14 अप्रैल को ही नीतीश के त्यागपत्र के बाद बीजेपी विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके लिए पटना में बीजेपी विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

बाद में एनडीए विधायक दल की बैठक भी होगी, जिसमें बीजेपी विधायक दल के नेता के नाम पर अगले मुख्यमंत्री के तौर पर मुहर लगेगी। इस बात की पूरी संभावना है कि पार्टी के किसी बड़े ओबीसी नेता को ही बीजेपी मुख्यमंत्री पद की कमान देगी।

बीजेपी को आखिर विधायक दल का नेता चुनने की जरूरत क्यों पड़ी... इस पर भाजपा के प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा है कि यह पार्टी की औपचारिक बैठक है। संसदीय परंपरा का पालन करते हुए नीतीश जी राज्यसभा गए हैं तो इसलिए विधायक दल का नेता चुनना जरूरी है। आगे बिहार का सीएम कौन बनेगा इसका फैसला जल्द ही हो जाएगा।

अभी पार्टी ने शिवराज सिंह चौहान को बिहार का पर्यवेक्षक बनाया है। वह जल्द पटना आ रहे हैं। वह पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं, वह हिंदी बेल्ट के और सबको साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। बिहार का पुराना अनुभव शिवराज सिंह चौहान जी को रहा है, और संसदीय परंपरा का पालन करते हुए उनके नेतृत्व में विधायक दल का नेता चुना जाएगा। जहां तक सीएम चेहरे की बात है कुछ दिन की बात है, वह नाम जल्द ही हमारे सामने होगा।

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि सीएम फेस को लेकर भाजपा और जेडीयू में खींचतान की कोई बात नहीं है। एनडीए बहुत पुराना गठबंधन है, नीतीश जी अटल के समय से एनडीए का हिस्सा हैं।

'सुरों की रानी'...

अपनी कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने 20 से ज़्यादा भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए हैं।

सलमान, शाहरुख से लेकर आमिर खान तक ने जताया शोक

सुरों की रानी आशा भोसले के निधन से पूरा देश दुखी है। इस खबर ने शहर के संगीत प्रेमियों और प्रशंसकों पर गहरा भावनात्मक प्रभाव डाला है, मानो उन्होंने अपने किसी प्रियजन को खो दिया हो। बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान और शाहरुख खान ने भी पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों अभिनेताओं ने दिग्गज गायिका को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में श्रद्धांजलि अर्पित की।

आमिर खान ने लिखा, आशा जी का अचानक निधन हम सभी के लिए एक गहरा सदमा है और यह एक ऐसा नुकसान है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। वह महान चार गायिकाओं में से आखिरी थीं। आशा जी के जाने से एक युग का अंत हो गया है। वह अपने गीतों के माध्यम से हमेशा हमारे साथ रहेंगी। उनकी आवाज हमेशा हमारे दिलों में गूंजती रहेगी। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। हमेशा प्यार और सम्मान।

शाहरुख खान ने दिग्गज गायिका के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, आशा ताई के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के स्तंभों में से एक रही है और आने वाली सदियों तक दुनिया भर में गूंजती रहेगी। एक ऐसी प्रतिभा जो कई लोगों से कहीं अधिक समय तक जीवित रहेगी, उन्होंने हमेशा मुझ पर आशीर्वाद और प्यार बरसाया और मैं उन्हें बहुत याद करूंगा। आशा ताई, आपकी आत्मा को शांति मिले। लव यू।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने भी आशा भोसले के निधन पर शोक प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दिग्गज सिंगर को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा कि आशा जी के निधन की जानकारी पाकर दुख हुआ। भारतीय संगीत के लिए ये काफी बड़ी क्षति है। आपके गाने आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

ब्लॉकमेलिंग...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पोस्ट पर लिखा, ईरान ने होर्मुज खोलने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया। इससे दुनिया भर के कई लोगों और देशों में चिंता, अव्यवस्था और पीड़ा फैली। उनका कहना है कि उन्होंने पानी में बारूदी सुरंगें बिछाईं, जबकि उनकी पूरी नौसेना और उनके अधिकांश बारूदी सुरंग बिछाने वाले यंत्र पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं।

ट्रंप ने आगे लिखा- हो सकता है उन्होंने ऐसा (बारूदी सुरंगें बिछाई) किया हो, लेकिन कौन सा जहाज मालिक ऐसा जोखिम लेना चाहेगा? ट्रंप ने लिखा- जैसा कि उन्होंने वादा किया था, उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को जल्द से जल्द खोलने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। वे हर कानून का उल्लंघन कर रहे हैं।

परमाणु मुद्दों पर नहीं बनी सहमति

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बारे में ट्रंप ने यह भी लिखा कि ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बन गई, लेकिन एकमात्र महत्वपूर्ण मुद्दा, परमाणु पर सहमति नहीं बनी। उन्होंने फिर होर्मुज की बात दोहराते हुए लिखा- विश्व की सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी नौसेना होर्मुज में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले सभी जहाजों की नाकाबंदी शुरू करेगी।

होर्मुज को लेकर ट्रंप ने लिखा- अवैध टोल चुकाने वाले किसी भी जहाज को खुले समुद्र में सुरक्षित मार्ग नहीं मिलेगा। हम होर्मुज में ईरानियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को नष्ट करना भी शुरू कर देंगे। कोई भी ईरानी जो हम पर या जहाजों पर गोलीबारी करेगा, उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा!

अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा- ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है, उनकी वायु सेना खत्म हो चुकी है, उनके विमानरोधी और रडार बेकार हो चुके हैं, खामेनेई और उनके अधिकांश नेता मारे जा चुके हैं, यह सब उनकी परमाणु महत्वाकांक्षा के कारण हुआ है। जल्द ही नाकाबंदी शुरू होगी। अन्य देश भी इस नाकाबंदी में शामिल होंगे। ईरान को इस अवैध जबरन वसूली से लाभ कमाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप की यह चेतावनी दुनिया के उन देशों के लिए है, जो ईरान को टोल देकर होर्मुज से अपना जहाज पार कराएंगे। ट्रंप की पाबंदी का मतलब है कि यदि कोई देश होर्मुज से पार करने के लिए ईरान को टोल देता है तो वहां से निकलने के बाद आगे यूएस नेवी उन जहाजों को रोकेंगे और समुद्री रास्ते का उपयोग नहीं करने देंगे। हालांकि यह साफ नहीं है कि पूरी दुनिया के समुद्री रास्ते पर अमेरिका का जोर कितना चलेगा।

ट्रंप जपे मुनीर...

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से पहले आर्मी चीफ आसिम मुनीर का नाम लिया। इस पूरी शांति वार्ता के दौरान भी आसिम मुनीर पीएम शहबाज से ज्यादा लाइम लाइट में रहा।

शांति वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर और शहबाज को कुशल नेतृत्व वाला बताया। शांति वार्ता कराने के लिए पाकिस्तान की तारीफ भी की। लेकिन ट्रंप का यह सार्वजनिक महिमामंडन शहबाज सरकार की कमजोरी को जगजाहिर कर गया। ट्रंप का यह अंदाज न सिर्फ शहबाज शरीफ के लिए एक कूटनीतिक तमाचा है, बल्कि यह भी साफ करता है कि दुनिया की नजर में पाकिस्तान को कौन चलाता है।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में दावा किया कि मुनीर और शहबाज भारत के साथ संभावित युद्ध को टालने के लिए बार-बार उनका शुक्रिया अदा करते हैं। यह बयान पाकिस्तान की उस लाचारी को दर्शाता है, जिसमें वह अपनी सुरक्षा के लिए विदेशी ताकतों की बैसाखी पर टिका है। मुनीर का ट्रंप के सामने बार-बार आभार जताना यह बताता है कि पाकिस्तान की सेना, जो खुद को बहुत ताकतवर समझती है, असल में कितनी कमजोर और मदद की मोहताज है।

क्या मुनीर का कद शहबाज से ज्यादा?

शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हैं। वहीं आसिम मुनीर वहां की सेना का प्रमुख। मुनीर वही शख्स है, जिसपर भारत में पहलगाम आतंकी हमले की साजिश करने का आरोप है। ऐसे शख्स का कद पाकिस्तान में लगातार बढ़ता जा रहा है।

मुनीर कहीं ना कहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी ज्यादा दिखाई देता है। ट्रंप के बयान में भी इसकी झलक दिखी। ट्रंप जैसे नेता जानते हैं कि पाकिस्तान में निवेश हो या सुरक्षा, बात शहबाज से नहीं बल्कि मुनीर से करनी होगी। शहबाज शरीफ का नाम मुनीर के बाद आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी उन्हें महज एक 'प्रशासनिक मुखौटा' मानती है। हकीकत यह है कि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार पूरी तरह से सेना की पिछलग्गू बनकर रह गई है।

5 केजी ...

भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा कच्चा तेल, 40 प्रतिशत गैस और 85-90 प्रतिशत एलपीजी पश्चिम एशिया से ही आयात करता है, जिस पर इस संकट का असर पड़ा है। हालांकि, कच्चे तेल की कमी को अन्य स्रोतों से पूरा कर लिया गया है, लेकिन एलपीजी की सप्लाई प्रभावित हुई है।

सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सप्लाई को प्राथमिकता दी है और होटल-रेस्तरां जैसे कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई में कटौती की है। संकट से पहले फरवरी में जहां रोजाना लगभग 77,000 सिलेंडर बिक रहे थे, वहीं पिछले 2-3 हफ्तों में ये संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है। बयान के अनुसार, घरेलू एलपीजी सप्लाई कुल मिलाकर स्थिर बनी हुई है और कहीं भी कमी की सूचना नहीं है। 11 अप्रैल को 52 लाख से ज्यादा सिलेंडर डिलीवर किए गए। कमर्शियल एलपीजी की उपलब्धता भी अब संकट-पूर्व स्तर के करीब 70 प्रतिशत तक बहाल हो गई है।

चांद के पार...

वायुमंडल की रगड़ से कैप्सूल के बाहर का तापमान 2760 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इससे एक लाल-गर्म प्लाज्मा की परत बन गई, जो रेडियो संपर्क को 6 मिनटों के लिए काट देती है। यह 13 मिनट का सफर बहुत तनाव भरा था।

नासा के इंजीनियरों ने 2022 के अनक्रूड आर्टेमिस ख टेस्ट से सीखते हुए इस बार ट्रैजेक्टरी थोड़ी बदल दी थी, ताकि गर्मी कम बने और हीट शील्ड सुरक्षित रहे। कैप्सूल ने इस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लिया है।

जब प्लाज्मा की परत हटी, तो दो सेट पैराशूट खुले। इससे कैप्सूल की गति 24 किलोमीटर प्रति घंटे तक कम हो गई। आखिर में यह प्रशांत महासागर में धीरे से गिर गया। नासा की वेबकास्ट पर लाइव तस्वीरें दिख रही थीं, जहां पैराशूट खुले और कैप्सूल पानी पर तैरती दिखी।

स्प्लैशडाउन के बाद नासा और अमेरिकी नौसेना की टीमों ने कैप्सूल को सुरक्षित किया। लगभग एक घंटे में अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया। हेलीकॉप्टर से पास की रिकवरी शिप पर ले जाया गया। वहां उनका पहला मेडिकल चेकअप हुआ। यह पूरा ऑपरेशन बहुत सावधानी से किया गया क्योंकि कैप्सूल पानी में तैर रहा था।

रीड वाइजमैन (50 साल) – कमांडर, अमेरिकी एस्ट्रोनॉट। विक्टर ग्लोवर (49 साल) – पायलट, अमेरिकी एस्ट्रोनॉट (पहले ब्लैक एस्ट्रोनॉट जो चंद्रमा मिशन पर गए)। क्रिस्टीना कोच (47 साल) – मिशन स्पेशलिस्ट, अमेरिकी एस्ट्रोनॉट (पहली महिला जो चंद्रमा मिशन पर गईं)। '' जेरेमी हैनसन (50 साल) – मिशन स्पेशलिस्ट, कनाडाई एस्ट्रोनॉट (पहले गैर-अमेरिकी जो चंद्रमा पर गए)।

ये सभी अनुभवी एस्ट्रोनॉट हैं। उन्होंने मिशन के दौरान चंद्रमा के दूर वाले हिस्से को देखा। पृथ्वी की खूबसूरत तस्वीरें लीं और कई महत्व-पूर्ण टेस्ट किए। मिशन में विज्ञान और तकनीक की कई उपलब्धियां सामने आईं, जो भविष्य के मिशनों के लिए मददगार होंगी।

आर्टेमिस प्रोग्राम का बड़ा लक्ष्य

आर्टेमिस खख सिर्फ एक टेस्ट फ्लाइट नहीं था। यह आर्टेमिस सीरीज का दूसरा मिशन है। पहले अनक्रूड आर्टेमिस ख ने 2022 में चंद्रमा की यात्रा की थी। अब सफल स्प्लैशडाउन के बाद नासा आर्टेमिस खखख की तैयारी कर रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लैंडिंग होनी है। लंबे समय का लक्ष्य है चंद्रमा पर बेस बनाना, जहां वैज्ञानिक प्रयोग हों और संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए। यह सब मंगल ग्रह पर इंसान भेजने की तैयारी है।

इस मिशन ने एसएलएस रॉकेट और ओरियन स्पेसक्राफ्ट की विश्वसनीयता साबित की। बोइंग और नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन जैसी कंपनियों को भी इस सफलता से फायदा हुआ। कोल्ड वॉर के समय अपोलो मिशन सोवियत संघ से आगे निकलने के लिए था, लेकिन अब आर्टेमिस चीन से आगे रहने के लिए है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 13 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पदाधिकारियों एवं परामर्श दाताओं की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों एवं परामर्श दाताओं की बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टावर में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समाज के मीडिया एवं प्रेस के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा की गई । अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यवाहक अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सर्वप्रथम उन्होंने कल की असाधारण आम सभा में लिए गए निर्णय से अवगत करवाया, जिसमें इंक्वायरी कमिटी के चेयरमैन श्री आर.एन. गुप्ता की रिपोर्ट के आधार पर 20 युवा शाखाओं को अबेयंस में रखा था, उनको नियमित करने का निर्णय, आर्बिट्रेशन एंड डिसिप्लिनरी

कमिटी के चेयरमैन श्री सुरेश सिंघल की रिपोर्ट के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही के अंतर्गत उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल, मंत्री श्री विकास केशान, कोषाध्यक्ष श्री अचल गुप्ता को निष्कासित करना, उनके स्थान पर श्री हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल को उपाध्यक्ष, डॉ. सीमा जैन को मानद मंत्री, प्रतीक नारसरिया को सह मंत्री, सी.ए. राज गोपाल अग्रवाल को कोषाध्यक्ष चुना गया , 8 नए सदस्यों को केंद्रीय समिति हेतु को-ऑप करना, नव गठित 65 कमिटियों एवं उनके चेयरमैन को स्वीकृती दी गई । उपरोक्त सभी निर्णयों का अनुमोदन किया गया । बैठक में बैंक में खाता संचालन हेतु प्रस्ताव पास किया गया जिसमे अध्यक्ष,कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री तीनो में से कोई एक तथा कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर होंगे । धार्मिक यात्रा के फार्म के बंटवारे हेतु प्रस्ताव पास किया गया। बैठक में अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सी. ए. हरि गीविंद प्रसाद अग्रवाल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सी.ए. राज गोपाल अग्रवाल, परामर्शदाता श्री बद्री विशाल बंसल, हरीश गुप्ता उपस्थित थे।

राधे रानी की कृपा से सेवा पथ पर अग्रसर बजरंग लाल शर्मा ने राधे-राधे ग्रुप को सराहा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पुण्य सेवा कार्य में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति, करुणा और सेवा भाव से ओत-प्रोत हो उठा।

इस अवसर पर प्रमुख समाज-सेवी बजरंग लाल शर्मा ने भावुक शब्दों में कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल सेवा ही नहीं, बल्कि सच्ची भक्ति का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर नाम जप के माध्यम से प्रभु स्मरण किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर भूखे और जरूरतमंदों को भोजन कराना वास्तव में भगवान की सच्ची पूजा है। उन्होंने इसे राधे रानी की असीम कृपा बताते हुए कहा कि बिना किसी जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के सभी को भोजन कराना मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

कार्यक्रम के दौरान बजरंग लाल शर्मा का ग्रुप की ओर से श्रद्धा और सम्मान के साथ अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने मिलकर इस पुण्य कार्य को सफल बनाया।

घांसी बाजार झूला शाखा का रजत जयंती वर्ष धूमधाम से मनाने का निर्णय

शशिकांत अग्रवाल बने प्रधान संयोजक
दो दिवसीय समारोह 15 व 16 अगस्त को आयोजित होगा
महिला समिति द्वारा विशेष कार्यक्रम, सभी शाखाओं को आमंत्रण

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की घासी बाजार झूला शाखा का रजत जयंती (सिल्वर जुबली) वर्ष बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस संबंध में शाखा की एक विशेष बैठक शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में श्री राणीसती दादी जी मंदिर में सम्पन्न हुई।

बैठक में शाखा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दो दिवसीय रजत जयंती समारोह आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से हर्षध्वनि के साथ लिया गया। यह कार्यक्रम 15 अगस्त (शनिवार) एवं 16 अगस्त (रविवार) को आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए शाखा के परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल को सर्वसम्मति से प्रधान संयोजक नियुक्त किया गया। उनके साथ सह संयोजक के रूप में मनोज मित्तल, मनोज अग्रवाल पचेरिया, अशोक अग्रवाल सौलानावाला, शिवभगवान अग्रवाल बॉयवाला, शर्मिला अग्रवाल, मीनू गर्ग,

मीना अग्रवाल एवं राधा अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रधान संयोजक शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि शाखा के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, जो आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ निरंतर आगे बढ़ती रही है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज की सभी शाखाओं में घांसी बाजार झूला शाखा सबसे बड़ी शाखा है, जिसमें 900 से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस रजत जयंती समारोह में शाखा एवं केंद्रीय समिति के उन सभी पांचों पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने शाखा के साथ सामाजिक सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही वर्तमान सभी शाखा पदाधिकारियों को भी निमंत्रण दिया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की जाएगी कि समाज के युवा एवं बुजुर्ग सभी इससे जुड़ सकें और इसका आनंद ले सकें। मुख्य कार्यक्रम 16 अगस्त (रविवार) को आयोजित होगा, जबकि 15 अगस्त को शाखा की महिला समिति द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए कई आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सभा का समापन उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भूतपूर्व अध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया, शाखा के परामर्शदाता योगेंद्र कटारुका, केंद्रीय समिति सदस्य सज्जन अग्रवाल बॉयवाला, शिवकुमार अग्रवाल जाखणीवाला, श्याम सुंदर अग्रवाल सांवरिया एवं पवन अग्रवाल सौलाणावाला भी उपस्थित थे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर संयुक्त बैठक आयोजित

भव्य शोभायात्रा निकालने का निर्णय, प्रचार सामग्री का विमोचन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर सर्व ब्राह्मण परिषद एवं राजस्थानी ब्राह्मण सभा की संयुक्त बैठक पारिख भवन, कोलसवाड़ी में आयोजित की गई। इस अवसर पर आगामी जन्मोत्सव कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं प्रचार सामग्री का विधिवत विमोचन किया गया।सभा में समाज के सभी बंधुओं से निवेदन किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम में भाग लेकर उनके आशीर्वाद को प्राप्त करें।बैठक में जानकारी दी गई कि जन्मोत्सव के अवसर पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो श्री परशुराम मंदिर से प्रारंभ होकर किराना मार्केट, स्वातिक मिर्ची होते हुए पुनः बेगम बाजार छत्री पहुंचकर संपन्न होगी।इस दौरान प्रचार-प्रसार, शोभायात्रा की व्यवस्थाएं, धार्मिक कार्यक्रम एवं अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने मिलकर इस आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर रामदेव नागले, लाडू ओझा, विशाल शर्मा, सुरेश कुमार पारीक, शीलाल पारिख, संपत दहिमा, डॉ. प्रेम प्रकाश, धनंजय मनसबदार, बाबूलाल जी, दुर्गा शर्मा, रितेश शर्मा, गोपाल व्यास, विजय ओझा, संदेश उपाध्याय, लक्ष्मीकांत पांडे, मनीष शर्मा, पवन कुमार तिवारी, प्रद्युम्न मिश्रा, रामचंद्र तिवारी, सुरेश कुमार राजपुरोहित, राजेंद्र शर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज युवा समिति द्वारा भीषण गर्मी व कड़क धूप के बीच राहगीरों की सेवा हेतु फीलखाना स्थित आर्यन स्पोर्ट क्लब के पास ठंडी छाछ (बटर मिल्क) वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य का सैकड़ों राहगीरों ने लाभ उठाया । कार्यक्रम के दौरान युवा समिति के सभी सदस्य, स्वजाति बंधु एवं महिलाएं उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे तथा सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा का मासिक मेल-मिलाप कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा के मासिक मेल-मिलाप कार्यक्रम में शाखा सचिव प्रतीक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य अनिल गर्ग, मासिक मेल-मिलाप के संयोजक अजय गुप्ता और शाखा सदस्य उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम ने समाज के सदस्यों को एकजुट होकर आपसी सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। शाखा सचिव, कोषाध्यक्ष और केंद्रीय समिति सदस्य सहित सभी पदाधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

तुलजा माता मंदिर में एक जागरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फलकनुमा एसीपी श्री जावेद और छत्रीनाका सीआई कोटेश्वर राव ने भाग लिया। इस अवसर पर दोनों अतिथियों को दांडगे शंकर और शंकर नायक द्वारा सम्मानित किया गया।

वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा गीत-संगीत संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा शनिवार, 11 अप्रैल 2026 को सायं 5 बजे आर्य कन्या विद्यालय में गीत एवं संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री म्युजिकल ग्रुप ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में प्रमुख गायक के रूप में श्रीमती भाग्यश्री, श्री दिगम्बर सन्तोष पिटला, देवी प्रेम एवं प्रमोद पांडे ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके सुरों और संगीत ने ऐसा वातावरण बनाया कि पूरा सभागार भाव-विभोर हो उठा।

कार्यक्रम के दौरान वीणा वादिनी साहित्यिक समिति के अध्यक्ष श्री श्रुतिकान्त भारती, परामर्शदाता श्री प्रदीप जाजू, श्री भक्तराम एवं सचिव श्रीमती सुधा ठाकुर ने कलाकारों का स्वागत एवं सम्मान किया।

इस अवसर पर श्रोताओं के रूप में डॉ. मुमताज सुल्ताना, डॉ. रेखा देवी वर्मा, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉ. प्रताप रुद्र, श्री सत्यनारायण शर्मा, श्री अशोक जाजू, श्रीमती ममता जयस्वाल, श्रीमती रुबी मिश्रा, श्रीमती सुनीति निर्मला दीक्षित, श्रीमती मधु, श्री दिनेश सिंह, श्रीमती उमा तिवारी, सुश्री योगिता, सुश्री प्रार्थना, सुश्री शीतला, श्रीमती शोभा ठाकुर, श्रीमती नीलम शिवानी एवं श्रीमती विद्या दवे सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान श्री सत्यनारायण शर्मा द्वारा सभी के लिए रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई, वहीं श्रीमती नीलम शिवानी का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग सराहनीय रहा।

अंत में समिति के अध्यक्ष श्री श्रुतिकान्त भारती ने अपना अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रदीप जाजू, श्री भक्तराम एवं श्रीमती सुधा ठाकुर द्वारा किया गया।

उगादि पर्व पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का भव्य सत्संग सम्पन्न

साध्वी भावना भारती जी ने दिया गुरु मार्ग का संदेश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पूजनीय श्री आशुतोष महाराज जी की असीम कृपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा रविवार दि. 12 अप्रैल 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 12:30 बजे तक हीरा हॉल, किंग कोटि, एबिड्स, हैदराबाद में उगादि पर्व को समर्पित सत्संग एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गुरु कृपा का मार्ग : समर्पण और दृढ़ता का संदेश

अपने प्रवचन में साध्वी भावना भारती जी ने कहा कि गुरु की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए साधक को पूर्ण समर्पण, दृढ़ता और निरंतर साधना के माध्यम से गुरु को प्रसन्न करना होता है। उन्होंने भक्त अंबादास जी की कथा के माध्यम से बताया कि सच्चा शिष्य वही है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी गुरु आज्ञा का पालन करता है।

आत्म-निर्माण का संघर्ष : निरंतर साधना की प्रेरणा

उन्होंने कहा कि यह मार्ग संघर्ष का मार्ग है, किंतु यही संघर्ष आत्म निर्माण का आधार बनता है। अतः साधक को कभी उत्साह या साहस नहीं खोना चाहिए और अपनी आध्यात्मिक गति को निरंतर बनाए रखना चाहिए। साध्वी जी ने कहा कि सच्चा जुड़ाव केवल गुरु से भाव और चिंतन के स्तर पर होना चाहिए, जिसके लिए साधना और सेवा अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नियमित ध्यान, विश्वास और श्रद्धा के साथ चलने वाला साधक ही जीवन में वास्तविक उन्नति प्राप्त करता है। कार्यक्रम का संचालन साध्वी साक्षी भारती जी ने किया।

सत्संग के उपरांत सभी उपस्थित भक्तों ने सामूहिक साधना में भाग लिया। तदुपरांत मंगल आरती एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

बेटी की पुण्य स्मृति में अन्नदान, ममता पाटोदी की ममता ने भावुक किया माहौल

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वर्गीय ओमिका पाटोदी की पुण्य स्मृति में अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। यह आयोजन सेवा, श्रद्धा और एक मां की अपनी बेटी के प्रति अटूट प्रेम का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय ओमिका पाटोदी की माताजी श्रीमती ममता पाटोदी ने जब अपनी बेटी को याद किया, तो पूरा वातावरण भावनाओं से भर उठा। एक मां की ममता और बेटी की यादों का संगम हर किसी की आंखें नम कर गया। ममता पाटोदी ने भावुक स्वर में कहा कि बेटी भले ही आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उसकी यादें हर पल हमारे साथ हैं। उसकी पुण्य स्मृति में अन्नदान जैसे सेवा कार्य से जुड़ना हमारे लिए सुकून और सौभाग्य की बात है। ऐसा लगता है मानो हम उसकी आत्मा को शांति और प्रेम अर्पित कर रहे हों।

उन्होंने आगे कहा कि बेटी की याद में किया गया हर सेवा कार्य उनके दिल को सुकून देता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा भी देता है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी इस भावनात्मक क्षण को महसूस किया और सेवा के इस कार्य को सच्ची श्रद्धांजलि बताया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को श्रद्धा और प्रेम के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस पुनीत कार्य में समाज के कई गणमान्य लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई और राधे-राधे ग्रुप के इस प्रयास की सराहना की।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान, अरुण विजयवर्गी, नीलम विजयवर्गी, रेनू शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

साथ ही पाटोदी परिवार के सदस्य-अनिल पाटोदी, अतुल पाटोदी, अनूप पाटोदी, नुकित पाटोदी, अनिता ठोलिया, अनुभूति पाटोदी, आशा पाटोदी, ममता पाटोदी, पूर्णिमा पाटोदी, नंदकिशोर भट्टड़, कमल किशोर लोया एवं शांति लाल जैन ने भी सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

यह आयोजन एक संदेश छोड़ गया कि मां की ममता और बेटी की स्मृतियां कभी खत्म नहीं होतीं, बल्कि सेवा और सद्कर्म के माध्यम से वे हमेशा जीवित रहती हैं।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की बांठिया गार्डन में आयोजित एजीएम के विभिन्न दृष्य।

सीरवी समाज के दिलीप चोयल का इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़ जोधपुर के बिलाड़ा गांव उदलियावास मूल निवासी एवं हैदराबाद में निवासरत दिलीप चोयल ने 12वीं कक्षा में 98.3% अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। वे जीयाराम चोयल के सुपुत्र हैं।

दिलीप की इस उपलब्धि से परिवार और समाज में हर्ष का वातावरण है। उनकी सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। परिवारजनों, समाज बंधुओं एवं मित्रों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

इंटर परीक्षा में गौतम राठौड़ का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मारवाड़, ब्यावर, जैतारण गांव देवरिया मूल निवासी एवं हैदराबाद में निवासरत होनहार छात्र गौतम राठौड़ ने 12वीं कक्षा में 98.6% अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। वे भगवानराम राठौड़ के सुपुत्र हैं।

गौतम राठौड़ की इस उपलब्धि से परिवार और समाज में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। परिवारजनों, समाज बंधुओं एवं मित्रों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। सीरवी समाज वडेर जीडिमेटला की समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण ने भी गौतम राठौड़ को बधाई दी ।

श्री साँचोरी वर्धमान जैन परिषद द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

तेरापंथ भवन में 85 यूनिट रक्त संग्रह, सेवा कार्यों की सराहना

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री साँचोरी वर्धमान जैन परिषद (सिकंदराबाद-हैदराबाद) द्वारा रविवार को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन तेरापंथ भवन, सिकंदराबाद में किया गया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड (सिरोही निवासी) ने विज्ञप्ति में शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बताया कि उक्त आयोजन में कुल 85 यूनिट रक्त की प्राप्ति हुई। कार्यक्रम के लाभार्थी रेशमीबेन भंवरलालजी सेठ एवं स्व. रमेशजी पुखराजजी सेठ (सांचौर निवासी) रहे। यह शिविर समाज सेवा एवं मानवता के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बना।

कार्यक्रम में अध्यक्ष चम्पालाल चन्दन, उपाध्यक्ष बाबूलाल दोशी, भावेश शेठ, सचिव निमेश श्रीश्री श्रीमाल, कोषाध्यक्ष माफतलाल भंसाली, प्रकल्प समिति के हितेश श्री श्री श्रीमाल, किशोर मेहता, राकेश बोकड़िया एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई।

विशेष अतिथि जैन रत्न एवं जीवदया प्रेमी जसराजजी श्री श्री माल ने श्री साँचोरी वर्धमान जैन परिषद (सिकंदराबाद-हैदराबाद) के निरंतर चल रहे सेवा कार्यों एवं समाजोपयोगी गतिविधियों की खूब सराहना की। उन्होंने परिषद के प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में राजनीतिक दलों के लिए बूथ लेवल एजेंट-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्वाचन आयोग द्वारा तेलंगाना में चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के दौरान बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए2) के रूप में नियुक्त व्यक्ति अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन एजेंटों की मुख्य जिम्मेदारी अपने समर्थकों के वोटों को सुरक्षित रखना और मतदान केंद्र स्तर पर मतदाता सूची से फर्जी नामों को हटाना होगी।

राजनीतिक दलों के लिए अनिवार्य है कि वे सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलए2नियुक्त करें।

अत्याधुनिक जिम स्वे बीस्ट का भव्य शुभारंभ

अभिनेत्री स्रवंती चोकरपु और सेलिब्रिटी कोच विश्व भारत ने बढ़ाई शोभा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडापुर इलाके में फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक नया गंतव्य सामने आया है। हैदराबाद के सबसे आधुनिक जिम और फिटनेस केंद्रों में से एक, स्वे बीस्ट का रविवार को भव्य उद्घाटन किया गया।

इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध अभिनेत्री स्रवंती चोकरपु और विख्यात सेलिब्रिटी फिटनेस कोच विश्व भारत ने शिरकत की और दीप प्रज्वलित कर केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया।

स्वे बीस्ट के संस्थापक सिंधु और मधु ने अभिनेत्री स्रवंती चोकरपु और फिटनेस कोच विश्व भारत के साथ मिलकर इस अत्याधुनिक जिम का अनावरण किया। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने जिम की आधुनिक सुविधाओं और प्रशिक्षण उपकरणों की सराहना की। कोंडापुर स्थित यह नया केंद्र उन्नत वर्कआउट अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जो शहर के फिटनेस प्रेमियों के लिए एक नया मानक स्थापित करेगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा महिला सशक्तिकरण (वुमन इम्पाउर्मेंट) कार्यक्रम समाज कार्यालय राघव रत्ना के दसवें माले में आयोजित किए गए। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समाज के मीडिया एवं प्रेस कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम समाज की मंत्री डॉ. सीमा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में श्रीमती नीति अग्रवाल के सानिध्य में वेजिटेबल कार्विंग का आयोजन किया गया। न्यूमेरोलॉजी का कार्यक्रम अंकुर हैं के सानिध्य में किया गया, जबकि तंजोर पेंटिंग का कार्यक्रम प्रेम लोहिया के सानिध्य में आयोजित किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को नई-नई विधाओं की जानकारी दी जा रही है।

इस प्रकार के कार्यक्रम पिछले 3 अप्रैल से डॉ. सीमा जैन के मार्गदर्शन में प्रायः रोजाना आयोजित किए जा रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य अग्रवाल समाज की महिलाओं को विभिन्न विषयों में दक्ष बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें।

कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल रहीं, जबकि संयोजिका के रूप में नीति अग्रवाल ने जिम्मेदारी निभाई। सहायक के रूप में रेखा, रानी मित्तल एवं जया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

राष्ट्रीय पैरा एथलीट ने गाजियाबाद हेरिटेज रन में चमक बिखेरी

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूथ4जॉब्स फाउंडेशन से जुड़े एक राष्ट्रीय पैरा एथलीट ने गाजियाबाद हेरिटेज रन 2026 में भाग लेकर संस्था का प्रतिनिधित्व किया। वे हैदराबाद से गाजियाबाद तक यात्रा कर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बने।

यह आयोजन 11 अप्रैल को शाम 6:30 बजे संपन्न हुआ, जो अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा आयोजन था।

इस आयोजन में 12,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें 100+ व्हीलचेयर धावक भी थे। यह विविधता और सहभागिता समावेशिता का सशक्त संदेश देती है।

इस उपलब्धि पर चर्चा करते हुए, नंदकिशोर ने साझा किया कि वहां का माहौल सकारात्मक बदलाव की अभूतपूर्व ऊर्जा से भरा था।

यूथ4जॉब्स फाउंडेशन के सशक्तिकरण मिशन को दर्शाते हुए, नंदकिशोर ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्था का नाम गौरवान्वित किया। यह जीत विकलांग व्यक्तियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सक्षम बनाने के संस्था के संकल्प को और मजबूत करती है।

श्री जैन श्रावक संघ कोरा के चुनाव सम्पन्न

गौतम चंद श्रीश्रीमाल बने अध्यक्ष

कोरा (सिकंदराबाद), 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्रावक संघ कोरा सिख विलेज सिकंदराबाद के आम चुनाव रविवार को आनंद भवन में दोपहर में संपन्न हुए। महामंत्री गौतम चंद मुथा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि आज श्री जैन श्रावक संघ कोरा छावनी में आम सभा एवं चुनाव का कार्यक्रम रखा गया था।

पिछले कार्यकाल की रिपोर्ट: आय-व्यय को मिली स्वीकृति

कार्यक्रम की शुरुआत महामंत्री गौतम चंद मुथा के मंगलाचार एवं 5-5 नवकार मंत्र के साथ हुई। अध्यक्ष संजय कटारिया ने स्वागत भाषण किया। महामंत्री गौतम चंद मुथा ने पिछले कार्यकाल की रिपोर्ट पेश करते हुए सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष महावीर बोहरा एवं नरेंद्र मांडोत ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, जो सर्वसम्मति से पास किया गया। संघपति जैन रत्न श्री संपत राज कोठारी ने पिछले कार्यकाल की भूरी-भूरी प्रशंसा की एवं अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष का साल माला से स्वागत किया। उन्होंने कोरा संघ के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी।

शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया : गौतम चंद श्रीश्रीमाल सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए

तत्पश्चात चुनाव अधिकारी सुभाष जी गोलेछा ने चुनाव प्रक्रिया शुरू की। चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए सुरेश समदड़िया एवं गौतम चंद श्रीश्रीमाल का नाम आया। बाद में सुरेश समदड़िया ने गौतम चंद श्रीश्रीमाल के अध्यक्ष पद के लिए सहमति प्रदान की और गौतम चंद श्रीश्रीमाल सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुने गए। संघपति को जैनरत्न से अलंकृत होने पर संघ द्वारा स्वागत-अभिनंदन शॉल माला द्वारा किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम चंद श्रीश्रीमाल द्वारा स्मृति चिह्न एवं शॉल माला भेंट कर स्वागत किया गया। चुनाव अधिकारी सुभाष जी गोलेछा को शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए बधाई दी गई एवं शॉल माला से स्वागत किया गया।

गणमान्य उपस्थिति : संगठन के वरिष्ठ सदस्यों ने की भागीदारी

आम सभा में मंगल चंद कटारिया, बीज राज श्रीश्रीमाल, उत्तम चंद सेठिया, महावीर चंद कटारिया, इंदर चंद देवड़ा, योगेश गांधी, गौतम चंद कटारिया, विजय सुराणा, संजय कटारिया, अनिल तातेड, महावीर बोहरा, राजेंद्र खींवसरा, गौतम सुखानी, प्रवीण लोढ़ा, आनंद भंसाली, प्रकाश चंद कवाड़, गज राज कवाड़, चंद्र प्रकाश लोढ़ा, निहाल चंद मोदी, संतोष श्रीश्रीमाल, नरेन्द्र मांडोत, अशोक तातेड, कैलाश देशरला, प्रमोद बम्बोली, कैलाश मांडोत, मनोज सालेचा, विक्की डंक, कैलाश ओस्तवाल, मुकेश नाहर, पारस सुखानी, दिलीप सेठिया, प्रवीण सुराणा, प्रसन्न मुथा, जितेंद्र मखाना, प्रकाश बोहरा, विनोद संचेती, महावीर तातेड, सुमित बागरेचा, धर्मी चंद तप्रावत, मनीष टपरावत, रिषभ मोदी, राकेश तालेड़ा, गौतम कटारिया, अनिल बलावता, राजेंद्र भंसाली, शेरू तातेड, बने चंद चोरड़िया, किशोर सुखानी, अमित वेदमुथा, अनिल श्रीश्रीमाल, सुरेश तातेड, अरविंद नाहर, धर्मेंद्र मांडोत, प्रदीप मुथा, नवीन नाहर, प्रदीप नाहर, निहाल कोठारी, सुशील मुथा एवं संघ के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी श्री सुभाष जी गोलेछा का संघ द्वारा स्वागत किया गया एवं धन्यवाद दिया गया।

तत्पश्चात महामंत्री गौतम चंद मुथा ने पधारे हुए महानुभावों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए सभी से निवेदन किया कि संघ द्वारा आयोजित सुरुचि भोजन लेकर पधारें। इसी के साथ सभा सानंद सम्पन्न हुई।

श्री शिव पंचायत मूर्ति स्थापना व पंचकुण्डी रुद्र महायज्ञ का आयोजन 26 से

बीकानेर, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नत्थूसर बास स्थित श्री श्री 1008 श्री नवलेश्वर सिद्धपीठ श्री विवेकनाथ जी महाराज की बगेची के तत्वावधान में नाल रोड, बच्छासर बाईपास पर रॉयल रिसोर्ट के पास श्री शंकरेश्वर महादेव मंदिर गौशाला आश्रम में चार दिवसीय श्री शिव पंचायत मूर्ति स्थापना व पंचकुण्डी रुद्र महायज्ञ का आयोजन 26 अप्रेल से होंगे। कार्यक्रम के मुख्य प्रधानयज्ञाचार्य ज्योतिष सम्राट पं. जुगल किशोर ओझा (पूजारी बाबा) व यज्ञाचार्य ज्योतिषी पं. अशोक ओझा (राजा) व विप्रगणों द्वारा पंचकुण्डी रुद्र महायज्ञ किया जाएगा। बगेची से जुड़े पं. रामजी पुरोहित, पूजारी लोकेश पंडित ने बताया कि इस सम्बन्ध में रविवार को श्री नवलेश्वर सिद्धपीठ के पूज्य महंत 32 धुणों के मानधारी योगी शिवसत्यनाथ जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री विवेकनाथजी की बगीची में फ्लेक्स पोस्टर विमोचन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन की सफलता एवं व्यापक तैयारियां आदि को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष, मठ के ट्रस्टी डीपी.पचीसिया, शिव किशन गहलोत, मनोहर सिंह राजपूत, विकास तापडिय़ा, कन्हैयालाल भाटी सहित अनेक गुरुभक्त मौजूद थे।

बगेची से जुड़े पं. रामजी पुरोहित, पूजारी लोकेश पंडित ने बताया कि कार्यक्रम के तहत 26 अप्रेल, रविवार को दोपहर तीन बजे से गणेश पूजा, कलश यात्रा, प्रायश्चितक्रम, दूसरे दिन 27 अप्रेल, सोमवार को प्रात: 7 बजे से नित्य पूजा, जलाधिवास, हवन मध्यानविशाम, धानाद्विवास आरती सत्संग प्रवचन, तीसरे दिन 28 अप्रेल, मंगलवार को प्रात: 7 बजे से नित्य पूजा, घृताधिवास, हवन मध्याविशाम, मिष्ठानद्विवास आरती, शय्याद्विवास, सत्संग प्रवचन और चौथे दिन बुधवार, 29 अप्रेल को प्रात: 7 बजे से नित्य पूजा, मूर्ति संस्कार व प्राण प्रतिष्ठा, हवन, पूर्णाहूति, आरती सत्संग प्रवचन, भोजन प्रसाद वितरण होगा। कार्यक्रम में आने-जाने के लिए बस की सुविधा नत्थूसर बास स्थित बगेची परिसर से होगी।

जरूरतमंदों में नाश्ता सेवा दी गई

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूज्य गुरुणी मैया बहन म. सा. एवं श्री धर्म ज्योति म. सा. के 43वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में श्री सत्य नवयुवक मंडल, फिल खाना, हैदराबाद की ओर से जरूरतमंदों को इडली और चाय का वितरण किया गया।

इस अवसर पर नाश्ते का लाभ श्रीमती लीला देवी दिलीपकुमार जी भंडारी परिवार, जालोर ने लिया। मंडल के अध्यक्ष कनकराज विनायकिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र खारीवाल, मंत्री राजेश कवाड़, कोषाध्यक्ष अशोक विनायकिया, सह मंत्री राकेश पारख, सह कोषाध्यक्ष अमीत बोहरा, प्रचार प्रसार मंत्री विक्रम सिंघवी सहित सी.ए. भुपेन्द्र भंडारी, सी.ए. रणजीत भंसाली, डॉ. दिलीप बडेरा, महावीर नाहर, अभय जैन, नवीन सोलंकी, भरत कोठारी, नरेंद्र धोका आदि ने सेवा कार्य में सहयोग दिया।

डॉ. बी. जनक प्रसाद मानद डॉक्टरेट से सम्मानित

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) के महासचिव और तेलंगाना राज्य न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. बी. जनक प्रसाद को श्रमिकों के अधिकारों, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के साथ-साथ ट्रेड यूनियन आंदोलन, विशेष रूप से कोयला क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है। डॉ. प्रसाद ने यहाँ रविवार को जारी एक बयान में डॉक्टरेट की उपाधि के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस सम्मान को श्रमिकों को समर्पित किया। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों तथा कल्याण के लिए प्रयास जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। डॉ. प्रसाद को यह मानद उपाधि चार अप्रैल को नयी दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक भव्य समारोह में वेबिक विश्वविद्यालय और अमेरिकन इंटरकॉन्टिनेंटल यूनिवर्सिटी (एआईयू) विश्वविद्यालय (अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में अफगानिस्तान, इथियोपिया और घाना के महावाणिज्य दूतों सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियां और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि शामिल हुए।

निस्वार्थ सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बना राधे-राधे ग्रुप

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंदों के बीच प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता का सच्चा परिचय दिया।

कार्यक्रम के दौरान बबीता अग्रवाल, बरखा गोयल, राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन इलाकुर्थी, गौरव गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनीष चिंडालिया एवं गोपाल अग्रवाल सहित सभी सदस्यों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा कार्य में योगदान दिया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना जाता है, जो न केवल भूख मिटाता है बल्कि दिलों को भी जोड़ता है। राधे-राधे ग्रुप निरंतर इसी भावना के साथ समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए कार्य कर रहा है, जो अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनता जा रहा है।

महेश्वरम गुरुकुलम में इंटरमीडिएट एडमिशन शुरू

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महेश्वरम मंडल के सोशल वेलफेयर गर्ल्स गुरुकुलम कॉलेज ने घोषणा की है कि 2026-27 शैक्षणिक वर्ष के लिए इंटरमीडिएट एडमिशन हेतु आवेदन किए जा सकते हैं। जिन विद्यार्थियों ने कक्षा 10 पूरी कर ली है, वे इस महीने की 6 से 25 तारीख तक ऑनलाइन आवेदन करें।

कॉलेज प्रशासन ने बताया कि प्रवेश परीक्षा 13 मई को आयोजित होगी। यह परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। बयान में कहा गया कि सभी कक्षा 10 के विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

गुरु नानक संस्थानों ने 25वीं रजत जयंती नए लोगो अनावरण के साथ मनाई

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशंस टेक्निकल कैंपस (जीएनआईटीवसी), गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएनआईटी) और गुरु नानक विश्वविद्यालय (जीएनयू) ने इब्राहिमपट्टनम में 25वीं रजत जयंती भव्यता से मनाई। नए संस्थागत लोगो का अनावरण हुआ, जो शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक है।

स्वर्गीय अध्यक्ष सरदार तविंदर सिंह कोहली को श्रद्धांजलि दी गई। उनकी स्मृति में मेधावी छात्रों के लिए वार्षिक पुरस्कार घोषित। विशिष्ट अतिथि संकेट (ऑटोरेबिट), डॉ. देवव्रत सिंह (आईसीएआर) व डॉ. रवि दसारी (जैस्पर) ने शोध-उन्मुख शिक्षा पर जोर दिया।

उपाध्यक्ष सरदार जी.एस. कोहली ने 234 कैंपस ड्राइव से 1,689 जॉब ऑफर (मु सिग्मा, टीसीएस, इन्फोसिस आदि से) की सराहना की। कुलपति डॉ. एच.एस. सैनी ने नवाचार व उभरती तकनीकों पर बल दिया।

वार्षिक रिपोर्ट डॉ. कलैरासन, डॉ. एस. श्रीनाथ रेड्डी व डॉ. बी. वेंकट रमण रेड्डी ने प्रस्तुत की। उत्कृष्ट छात्रों व स्टाफ को सम्मानित किया गया। डॉ. संदीप पाटिल व डॉ. मधु ने संचालन किया।

बांसवाड़ा में सड़क हादसे में एक की मौत

बांसवाड़ा, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जंगा गंगाराम (35), पिता रामुलु, जाति: एससी माला, पेशा: मजदूर, निवासी गलीपुर गाँव, मोहम्मद नगर मंडल ने शनिवार शाम काम खत्म कर अपनी एक्सेल गाड़ी से घर लौट रहा था कि करीब 7:30 बजे सिंगीथम रोड पर उल्टी दिशा से आ रहे तेज़ रफ्तार टिपर (नंबर टीजी17 टी1683) ने उसकी गाड़ी को टक्कर मार दी।

गंगाराम को हाथ, पैर, सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की माँ जंगा मारियाव्वा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नलगोंडा में 13वीं सदी के शिव मंदिर का रेस्टोरेशन प्रारंभ

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के नेशनल चेयरमैन आर.के. जैन ने 12 अप्रैल 2026 को तेलंगाना के नलगोंडा जिले के मिरयालगुडा मंडल के रुद्राम गांव में स्थित 13वीं सदी के शिव मंदिर के रेस्टोरेशन कार्य का शुभारंभ किया। मंदिर रेनोवेशन कमेटी ने इस अवसर पर मंदिर परिसर में

आर.के. जैन का स्वागत किया और परियोजना की शुरुआत को ऐतिहासिक महत्व का कदम बताया।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No. JC 734726F Sub JAGDISH SHUKLA of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my mother name is changed from KANTI SHUKLA to KANTI

CHANGE OF NAME
I, No. JC 735039X Sub (Hony/Lt) BRAJ KISHORE of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from CHINTA HARAN RA to CHINTA HARAN RAY

CHANGE OF NAME
I, No. 6942398H Hav Kadam Venkateswarlu of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from K SUBBARAO to KADAM SUBBARAO and also my mother name is changed from K RAVANAMMA to KADAM RAMANAMMA

CHANGE OF NAME
I, No. 6942398H Hav Kadam Venkateswarlu of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my Daughter name is changed from K VENKATA KAVYA SRI to KADAM VENKATA KAVYASRI and also my son name is changed from K VENKATA MAHESH to KADAM VENKATA MAHESH

CHANGE OF NAME
I, No. 15812919H Nk PUKHRAJ of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, Ts that my father name is changed from JAWARI LAL to JAWARI LAL PRAJAPAT and also my mother name is changed from BHAWATI DEVI to BHAGWATI DEVI

CHANGE OF NAME
I, D SUDHA MARKHI BHAI spouse of Army No. 6942376K HAV DETHARIYA MARKHEE DADU BHAI, R/o Village:Hansthal, Post: Vadatra, Tehsil:Jamkhambhaliya, District:Jamnagar, State:Gujarat-361305, hereby state that my name is changed from D SUDHA MARKHI BHAI to DETHARIYA SUDHA MARKHEE vide Affidavit dated 11 April 2026

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6942376K HAV DETHARIYA MARKHEE DADU BHAI, of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my father's name is changed from DADUBHAI to DETHARIYA DADUBHAI ZINABHAI, my mother's name is changed from AJAI to DETHARIYA AJAIBEN DADUBHAI and my son's name is changed from MAHESH MD to DETHARIYA MAHESH MARKHI vide Affidavit dated 11 April 2026.

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC-734131K SUB SHRI NARAYAN, of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my father's name is changed from AWDHESH PRAPANNA MISHRA to AVDHESH PRASAD and my mother's name is changed from PHOOLA DEVI MISHRA to PHOOL DEVI vide Affidavit dated 11 April 2026

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC-733817Y SUB RATHAUR SHIVRAJSINGH RAMRATANSINGH, of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my son's name is changed from AARAV to AARAV SHIVRAJSINGH RATHAUR vide Affidavit dated 11 April 2026

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC-733171Y SUB KIRAN PATIL, of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my mother's name is changed from PRAMILA DAGADU to PRAMILA PATIL vide Affidavit dated 11 April 2026.

CHANGE OF NAME
I, Service No 6942396X HAV RAJ KUMAR SINGH BAGHEL, of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my son's name is changed from UMESH SINGH to UMESH SINGH BAGHEL vide Affidavit dated 11 April 2026.

उत्तम रेड्डी ने कालेश्वरम बांधों की मरम्मत में तेज़ी लाने के दिये निर्देश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तीनों मुख्य बांधों मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों, डिज़ाइन सलाहकारों और लार्सन एंड टूब्रो (एल एंड टी) सहित अन्य कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री रेड्डी ने निर्देश दिया कि परियोजना को पूरी तरह से चालू स्थिति में वापस लाने के लिए एक समय-सीमा निर्धारित कर मरम्मत और पुनर्वास कार्यों में तेज़ी लाई जाए।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और सतर्कता आयोग जैसे वैधानिक निकायों ने इन बांधों की नींव, डिज़ाइन, योजना और कार्यान्वयन में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया है। ये समस्याएं तीनों ही परियोजन-ाओं में एक जैसी हैं।

कार्य की तात्कालिकता पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि मरम्मत का काम पूरा करने के लिए अगले दो साल 2027 और 2028 बेहद महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अन्नाराम और सुंडिला बांधों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है, जबकि मेदिगड्डा को भी इसके समानांतर ही आंशिक रूप से चालू किया जा सकता है।

रेवंत ने गायिका आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्म विभूषण से सम्मानित पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि भारतीय संगीत में आशा भोसले का असाधारण योगदान है, जो दशकों और कई भाषाओं में उनकी बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा की पहचान है। वह एक ऐसी अमिट विरासत छोड़ गई हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

उन्होंने उनके निधन को देश के सांस्कृतिक और कला जगत के लिए एक बड़ी क्षति बताया और उनके परिवार, प्रशंसकों तथा वैश्विक संगीत समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

किशन रेड्डी ने आशा भोसले के निधन पर शोक व्यक्त किया

तेलंगाना में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने महान पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और इसे देश के लिए एक बड़ी क्षति बताया है।

उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि पद्म विभूषण और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित आशा भोसले ने अपनी असाधारण संगीत यात्रा के माध्यम से भारत को अपार गौरव दिलाया। आशा भोसले ने दस वर्ष की आयु में अपने करियर की शुरुआत करते हुए लगभग आठ दशकों तक कई भाषाओं में यादगार गीत गाए और भारतीय संगीत जगत में अपनी एक अनूठी पहचान बनाई।

उन्होंने कहा कि अपनी बहुमुखी आवाज के दम पर उन्होंने शास्त्रीय संगीत, गजल और पॉप सहित विभिन्न शैलियों में महारत हासिल की और लाखों संगीत प्रेमियों की सराहना पाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संगीत में उनका योगदान वास्तव में अविस्मरणीय है।

श्री किशन रेड्डी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके परिवार के सदस्यों तथा प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

आशा भोसले के निधन पर भाजपा रामचंद्र राव ने शोक व्यक्त किया, बताया अपूरणीय क्षति

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मशहूर पार्श्वगायिका आशाा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और इसे अपूरणीय क्षति बताया है।श्री राव ने शोक संदेश में कहा कि लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी और किशोर कुमार जैसे दिग्गज गायकों के साथ आशा भोसले ने हिंदी फिल्म संगीत जगत में छह दशकों से अधिक समय तक एक विशेष स्थान बनाए रखा।उन्होंने कहा कि आशा भोसल की मधुर आवाज़ और भारतीय संगीत में उनका अपार योगदान करोड़ों लोगों के दिलों में हमेशा बसा रहेगा, श्री राव ने कहा कि आशा भोसले का निधन फिल्म उद्योग और देशभर के संगीत प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। श्री राव ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

भीषण गर्मी से राहत के लिए तेलंगाना में मुफ्त पेयजल केंद्र स्थापित करने के निर्देश

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में बढ़ती गर्मी को देखते हुए राज्य की पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दंसारी अनसूया सीताक्का ने अधिकारियों को पूरे राज्य में गांव स्तर से लेकर मंडल मुख्यालय तक 'चलिवेंद्रालु' (मुफ्त पेयजल केंद्र) स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग की निदेशक दिव्या देवराजन को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों और काम के लिए बाहर निकलने वालों के लिए पर्याप्त पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मंत्री ने गर्मी के मौसम में लोगों को होने वाली कठिनाइयों पर जोर देते हुए कहा कि सभी गांवों में, विशेषकर बस स्टैंड, बाजार और मुख्य सड़कों जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मुफ्त पेयजल केंद्र स्थापित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं से यात्रियों, मजदूरों, किसानों और दिहाड़ी कामगारों को गर्मी और थकान से काफी राहत मिलेगी।सुश्री सीताक्का ने बताया कि मुलुगु विधानसभा क्षेत्र में लगभग सभी गांवों में ऐसे केंद्र पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और आम लोग इसका व्यापक रूप से उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने स्थानीय निवासियों और स्वैच्छिक संगठनों से भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी की अपील की।पिछले वर्ष के प्रयासों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पंचायत राज विभाग द्वारा स्थापित मुफ्त जल केंद्रों से लाखों लोगों को लाभ मिला था और इस वर्ष इस कार्यक्रम को और विस्तारित करने का निर्देश दिया गया है।वहीं, निदेशक दिव्या देवराजन ने कहा कि मंत्री के निर्देशों के अनुसार हर ग्राम पंचायत में पेयजल केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार भीषण गर्मी के दौरान जनस्वास्थ्य और जनकल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना में अगले तीन दिनों में तापमान में तीन डिग्री तक वृद्धि : मौसम विभाग

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी।

विभाग ने यहाँ जारी अपनी दैनिक मौसम रिपोर्ट में बताया कि राज्य में अगले सात दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में भी मौसम शुष्क बना रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान महबूबनगर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केटीआर ने कांग्रेस पर 'लूटो और छिपाओ' योजना का लगाया आरोप

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने राज्य सरकार पर लूटो और छिपाओ योजना शुरू करने का आरोप लगाते हुए मंत्रियों, विधायकों और यहां तक कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल बताया है।

श्री केटीआर ने रविवार को मंचेरियल जिले में बीआरएस पार्टी कार्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार में डूबी हुई है और देश में वर्तमान मुख्यमंत्री जितना भ्रष्ट कोई और नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच एक गठजोड़ का भी आरोप लगाया, जिसमें कहा गया कि दोनों पार्टियां 'अपराध में भागीदार' की तरह काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंगारेनी और केंद्र सरकार की योजनाओं में अनियमितताओं की जांच न होने के पीछे यही कारण है।

श्री केटी आर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आरआर टैक्स' पर टिप्पणियों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस टिप्पणी के बावजूद कि तेलंगाना कांग्रेस एक एटीएम की तरह काम करती है, अब तक कोई जांच के आदेश नहीं दिए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सिंगारेनी श्रमिकों के मुद्दों का समाधान नहीं किया गया और भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो कोयला खदानों में विरोध-प्रदर्शन और तेज हो जाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीआरएस श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ना जारी रखेगी।

उन्होंने लोगों से कांग्रेस नेताओं से सवाल करने और सार्वजनिक मुद्दों पर विरोध-प्रदर्शन तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनावों में कांग्रेस को नकारने का आग्रह किया और विश्वास व्यक्त किया कि बीआरएस सत्ता में वापस आएगी और तेलंगाना के लिए बेहतर दिन लाएगी।

तेलंगाना इंटरमीडिएट परिणाम घोषित 70.58 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने मध्यवर्ती परीक्षा मार्च 2026 के परिणाम घोषित कर दिए हैं, जिसमें कुल 70.58 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। सरकार के सलाहकार के. केशव राव ने परिणाम जारी करते हुए सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और असफल विद्यार्थियों को आत्मविश्वास बनाए रखते हुए सप्लीमेंट्री परीक्षा की तैयारी करने की सलाह दी।

करीब 9.97 लाख विद्यार्थियों ने प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा दी, जो 1,495 केंद्रों पर 25 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित की गई थी। मूल्यांकन कार्य 20 केंद्रों पर किया गया।

प्रथम वर्ष का उत्तीर्ण प्रतिशत 66.20 रहा, जबकि द्वितीय वर्ष में 70.58 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे। दोनों ही वर्षों में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा। विद्यार्थी अपने अंकपत्र ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं, जबकि पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन के लिए आ-वेदन 13 से 20 अप्रैल तक किए जा सकेंगे। पूरक परीक्षाएं 13 मई से शुरू होंगी, जबकि प्रैक्टिकल 22 मई से आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों के लिए परामर्श और हेल्पलाइन सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

भूदान भूमि गरीबों में बांटने की मांग, भाकपा नेता ई. टी. नरसिम्हा ने उठाई आवाज

संगारेड्डी, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के तेलंगाना सहायक सचिव ई.टी. नरसिम्हा ने राज्य सरकार से सभी पात्र गरीबों को भूदान भूमि वितरित करने और इन जमीनों को अतिक्रमण से बचाने की मांग की है।

संगारेड्डी जिले के ज़हीराबाद कस्बे में ''भाकपा डोर-टू-डोर'' अभियान की शुरुआत के बाद उन्होंने कहा कि भूदान और सरकारी जमीनों पर न केवल ज़हीराबाद बल्कि पूरे राज्य में अतिक्रमण हो रहा है।

उन्होंने इन जमीनों की सुरक्षा के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग इन जमीनों पर झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं और अपनी आजीविका चला रहे हैं, उन्हें भूमि के स्वामित्व अधिकार (पट्टे) दिए जाने चाहिए।

इस कार्यक्रम में पार्टी के संगारेड्डी जिला सचिव सैयद जलालुद्दीन, ज़हीराबाद विधानसभा क्षेत्र के सचिव नरसिम्हुलु, श्री सैयद अज़ीज़, श्री शेख मुबाशिर, श्री सैयद ताजुद्दीन, सुश्री रुबीना बेगम, सश्री लक्ष्मी, सुश्री बिपाशा, सुश्री पुलम्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सजावट सामग्री के गोदाम में लगी भीषण आग

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजेंद्र नगर सर्कल के अंतर्गत शिवरामपल्ली की सर-वरेड्डी कॉलोनी में रविवार को सजावट सामग्री के गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

प्लास्टिक, फ्लेक्स बैनर और थर्मोकोल जैसी अत्यधिक ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग तेजी से फैल गई और इससे पास के एक घर को भी नुकसान पहुंचा।

पूरे इलाके में घना धुआं छा गया जिससे स्थानीय लोगों को अपने घरों से बाहर निकलना पड़ा। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और तुरंत आग पर काबू पा लिया। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

भट्टी विक्रमार्क ने किया देशव्यापी जाति जनगणना का आह्वान, तेलंगाना मॉडल को बताया नजीर

हैदराबाद, 12 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

रविवार को प्रजा भवन में जाति जन-गणना: सामाजिक न्याय को गहरा करना पुस्तक के विमोचन अवसर पर तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने राष्ट्रव्यापी व्यापक जाति जनगणना का आह्वान करते हुए कहा कि सच्चा सामाजिक न्याय केवल विस्तृत जाति-आधारित आंकड़ों के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

पुस्तक विमोचन और लेखक परिचय

इस कार्यक्रम में जी किरण कुमार और डॉ वाहिनी बिल्लू द्वारा लिखित पुस्तक का आधिकारिक विमोचन किया गया। जी किरण कुमार अखिल भारतीय ओबीसी छात्र संघ (एआईओबीसीएसए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हैदराबाद विश्वविद्यालय में शोधार्थी हैं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने इस पुस्तक का अनावरण किया।

राष्ट्रव्यापी जनगणना की आवश्यकता

भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय जाति जनगणना आवश्यक है और इसमें सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक आंकड़े शामिल होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़े नीति निर्माण और कल्याणकारी उपायों में सहायक होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी जनगणना लोकतांत्रिक शासन और सामाजिक न्याय के ढांचे को मजबूत करेगी।

तेलंगाना मॉडल और संवाद कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना में पहले ही एक व्यापक जाति सर्वेक्षण किया जा चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.